यूपी में तय समय पर होंगे विधानसभा चुनाव, दिव्यांग और बुजुर्ग कर सकेंगे घर बैठे वोटिंग

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 20 दिनांकः 31-12-2021 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारतीय टीम पहली बार सेंचुरियन में जीती, दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराया

आज से 3 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भीषण शीत लहर की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)।दिल्ली सहित कई राज्यों के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली में गुरूवार सुबह से ही बादलों के साथ हल्की धूप नजर आ रही है।मौसम विभाग के अनुसार 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चांडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भीषण शीत लहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। यह 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक मध्य प्रदेश में और उत्तर प्रदेश अगले तीन दिनों तक प्रभावी रहेगा।

आइएमडी की रिपोर्ट में अगले पांच दिनों में रात और सुबह के दौरान उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घने कोहरे का भी अनुमान है। अगले दो से तीन दिनों तक पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत पर भी घना कोहरा पड़ने की संभावना है। पंजाब, उत्तरी राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी उत्तरप्रदेश में न्यूनतम तापमान 2 से 6 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अगले तीन दिनों के दौरान दक्षिणपूर्व प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की भी भविष्यवाणी की गई है।

31 दिसंबर और 1 जनवरी को तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में और 1 जनवरी को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ 4 से 7 जनवरी के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। 5 और 6 जनवरी को पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, 5 से 7 जनवरी के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भी बारिश हो सकती है।

मुंबई में आउट ऑफ कंट्रोल होने लगा कोरोना, मिले 3671 नए मरीज, लॉक डाउन के आसार

मुंबई, (ईएमएस)। एक बार फिर मुंबई में कोरोना आउट ऑफ कंट्रोल होने लगा है. क्योंकि कोरोना के नए मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है. गुरुवार शाम जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 3671 केस आए हैं. इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 11,360 हो गई है. पिछले 24 घंटे में 371 मरीज संक्रमण से उबरे हैं. बता दें कि मुंबई में बुधवार को 2510, मंगलवार को 1377, सोमवार को 809, रविवार को 922, शनिवार को 757, शुक्रवार को 683 और गुरुवार को 602 मामलों की पुष्टि हुई थी. इस बीच कोरोना के फैलने के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने होटल और रेस्तरां सहित किसी भी बंद या खुली जगह में नए साल के जश्न और जमावड़े पर रोक लगा दी है. पुलिस उपायुक्त (संचालन) एस चैतन्य ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत इस आशय का आदेश जारी किया. अधिकारी ने कहा कि यह आदेश गुरुवार से 7 जनवरी, 2022 तक प्रभावी रहेगा.

यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार मतदान एक घंटे अधिक होंगे : चुनाव आयोग

मुरादाबाद (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने कोरोना संकट के फिर से उभरने की वजह से उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में नर्धािरित समय से एक घंटा अधिक मतदान कराने सहित अन्य अहम फैसले किए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने राज्य में चुनावी तैयारियों की तीन दिन तक चली समीक्षा के बाद गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के खतरे को ध्यान में रखते हुये आयोग ने निर्णय लिया है कि मतदान की अवधि को एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए। सुशील चंद्रा की अगुवाई में आयोग के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय समीक्षा दौरे में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा विभन्नि जांच एजेंसियों सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य पक्षकारों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद यह जानकारी दी। आयोग के प्रतिनिधि मंडल में देश के दोनों निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और डॉ. अनूप चंद्र पांडेय तथा चुनाव आयोग के महासचिव उमेश सन्हिा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। चंद्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 14 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य में कुल 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 317 सामान्य, 84 अनुसूचित जातियों तथा 02 अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी सीटों पर विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराए जाने हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में शामिल हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनश्चिति कराते हुए समय से चुनाव संपन्न कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुए आयोग उत्तर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रलोभन मुक्त और कोरोना सुरक्षित चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चंद्रा ने कहा कि आयोग का यह प्रयास है कि आगामी चुनाव में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और नए मतदाताओं सहित सभी मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके लिए विशेष उपाय भी किए गए हैं।

भारतीय टीम पहली बार सेंचुरियन में जीती, दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

प्लेयर ऑफ द मैच : लोकेश राहुल

सेंचुरियन (ईएमएस)। भारतीय टीम ने यहां सेंचुरियन में खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम को 113 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी है। यह पहली बार है जब सेंचुरियन में भारतीय टीम जीती है। वहीं विराट कोहली भारत के लिए दो बाक्सिंग डे टेस्ट मैच जीतने वाले पहले कप्तान बने हैं। पांचवें और अंतिम दिन दक्षिण अफ्रीकी टीम जीत के लिए मिले 305 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 191 रनों पर ही आउट हो गयी। मेजबान टीम ने अंतिम दिन चार विकेट पर 94 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर भारतीय गेंदबाजों के सामने उसकी एक नहीं चली और वह दूसरी पारी में 191 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से मो शमी और जसप्रीत बुमराह ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि दो विकेट आर आश्विन को मिले। शमी ने पहली पारी में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाजी के दौरान भारत की ओर से लोकेश राहुल ने सबसे ज्यादा 123 रन बनाये इस कारण उन्हें प्लेयर ऑपफ द मैच का अवार्ड मिला है। इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। भारतीय टीम के कप्तान विराट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। जिसे सलामी बल्लेबाजों ने सही साबित किया। पहली पारी में राहुल ने शानदार शतकीय पारी खेली। जबकि मयंक अग्रवाल ने 60 रन बनाए थे। इसके अलावा रहाणे 48, कोहली 35 रन बना पाने में सफल हुए थे। जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने पहली पारी में 327 रन बनाए।

वहीं इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 197 रन पर ही सिमट गई। वहीं भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 174 रन बनाए इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 130 रनों की बढ़त मिल गयी।

पांचवें दिन बुमराह ने भारत को पहली और कुल पांचवीं सफलता दिलाई। बुमराह की गेंद पर डीन एल्गार एलबीडब्ल्यू आउट होकर पवेलियन लौटे। एल्गर ने 156 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 77 रन बनाए। कप्तान एल्गर ने संघर्ष किया पर बुमराह ने उन्हें आउट कर मेजबानों को करारा झटका दिया। भारत को छठवीं सफलता मोहम्मद सिराज ने दिलाई, उन्होंने क्विंटन डिकाक को 21 रन बनाकर आउट कर दिया। शमी ने भारत को सातवीं सफलता दिलाई। शमी ने वियान मुल्डर को 1 रन पर आउट किया। बुमराह ने वान डेर डुसेन को बोल्ड कर दिया। नाइट वाचमैन के रूप में आए केशव महाराज 8 रन पर आउट हुए ।

जानसेन को शमी ने 13 रन जबकि रबाडा को अश्विन ने शून्य पर आउट कर दिया। तेंबा 35 रन बनाकर नाबाद रहे तो वहीं अश्विन ने नगीडी को जीरो पर आउट कर भारत को जीत दिलाई।

पहली पारी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की ओर नगीडी ने 6 विकेट लिए जबकि तीन विकेट कगिसो रबाडा को मिले थे। वहीं, बल्लेबाजी में तेंबा बवूमा को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच सका, जबकि भारत के लिए पांच विकेट शमी और 2-2 विकेट शार्दुल ठाकुर और जसप्रीत बुमराह ने लिए थे।

नगालैंड में अफस्पा को छह माह और बढ़ा, कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली (ईएमएस)।केंद्र की मोदी सरकार ने नगालैंड में अफस्पा को छह माह और बढ़ा दिया है,इसके बाद कांग्रेस ने गुरुवार को सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उसकी 'सत्ता की लालसा' ने पूर्वोत्तर को उग्रवाद और अराजकता के रसातल में भेज दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा,मोदी सरकार ने अभी तक शांतिपूर्ण पूर्वोत्तर को अराजकता, उग्रवाद की खाई में धकेल दिया है।बात दें कि केंद्र ने पूरे राज्य को 'अशांत क्षेत्र' घोषित करते हुए नागालैंड में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को अगले साल 30 जून तक बढ़ा दिया।

यह अधिनियम सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। अगर वे किसी को गोली मारते हैं,तब यह बलों को प्रतिरक्षा भी देता है। इस महीने की शुरूआत में मोन जिले में सेना की इकाई द्वारा 14 नागरिकों को विद्रोही समझकर मरने के बाद से नागालैंड के कई जिलों में अफस्पा को वापस लेने के लिए विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है।

23 दिसंबर को, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागालैंड में वर्तमान परिदश्य पर चर्चा करने के लिए नागालैंड, असम के मुख्यमंत्रियों और राज्यों और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर अफस्पा को वापस लेने पर विचार करने के लिए समिति बनाने का निर्णय लिया। समिति को 45 दिनों में अपनी रिपोर्ट देनी थी। नागालैंड विधानसभा ने हाल ही में अधिनियम को हटाने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है और यह उम्मीद की जा रही थी कि केंद्र स्थानीय लोगों के बीच भारी आक्रोश को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में अफस्पा के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर सकता है।

8 राज्यों में ओमिक्रॉन की रफ्तार तेज, दोगुने हुए केस, केंद्र ने लिखा पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना वायरस के बदलते स्वरूप ओमिक्रॉन की बढ़ती रफ्तार ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय हालात के मद्देनजर 6 राज्यों को चिट्ठी लिखी है। इनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और झारखंड का नाम शामिल है। खास बात है कि देश में ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या 961 हो गई है। कोरोना के इस नए स्वरूप से दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के कम से कम 8 राज्यों के कुछ शहरों में कोरोना वायरस संक्रमितों के आंकड़ो दोगुने हो रहे हैं। इनमें हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, का नाम शामिल है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 263 मामले सामने आए और इसके बाद महाराष्ट्र में 252, गुजरात में 97, राजस्थान में 69, केरल में 65 और तेलंगाना में 62 मामले सामने आए हैं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के मामले धीरे-धीरे सामुदायिक स्तर पर फैल रहे हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे गए नमूनों में से 46 प्रतिशत में 'ओमीक्रोन' की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि 'ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान' (जीएआरपी) के तहत कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं और अतिरिक्त पाबंदियां लगाने के संबंध में निर्णय दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) करेगा।

जैन ने कहा, 'दिल्ली के अस्पतालों में कोविड-19 के 200 मरीज भर्ती हैं। जीनोम अनुक्रमण की हालिया रिपोर्ट में 46 प्रतिशत नमूनों में 'ओमिक्रोन' की पुष्टि हुई है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में यात्रा नहीं की थी। इसका मतलब है कि अब 'ओमिक्रोन' स्वरूप दिल्ली के अंदर आ चुका है।' मंत्री ने कहा, 'इसका मतलब है कि यह धीरे-धीरे सामुदायिक स्तर पर फैल रहा है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में कोविड-19 के 200 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से केवल 102 ही शहर के निवासी हैं। वहीं, इनमें से 115 में संक्रमण का कोई लक्षण नहीं हैं और उन्हें एहतियाती तौर पर अस्पताल में रखा गया है।

इसके अलावा महाराष्ट्र में भी कोरोना संक्रमण का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में एक दिन में 3900 नए मरीज मिले। वहीं, इस दौरान 20 मरीजों की मौत हुई। आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में ही 2500 से ज्यादा कोरोना संक्रमित मिले हैं। शहर में एक मौत दर्ज की गई।

डरी-सहमी बीजेपी विपक्ष के प्रति ज्यादा से ज्यादा असहिष्णु और आक्रामक होती जा रही है - अखिलेश यादव

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि डरी-सहमी बीजेपी विपक्ष के प्रति ज्यादा से ज्यादा असहिष्णु और आक्रामक होती जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के राज में नौजवानों को सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के निर्दयी राज में 4 लाख नौकरियों और एक करोड़ रोजगार का सच आज 69हजार भर्ती के मामले में मांग कर रहे अभ्यर्थियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार से सामने आ रहा है।

सपा नेता ने कहा कि प्रदेश में 2018 से जारी 68हजार 500 और 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में दलितों-पिछड़ों के आरक्षण में भारी घोटाला किया गया। उन्होंने कहा, ठमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच से नौकरी-रोजगार के सत्य से परे आंकड़े देते नहीं थकते हैं, जबकि बेरोजगार उनके द्वार पर शासन-प्रशासन की हिंसा के शिकार हो रहे हैं। होर्डिंग लगाने वाले मुख्यमंत्री उनके होर्डिंग क्यों नहीं लगवा देते जिनको उन्होंने नौकरियां-रोजगार दिया है? बीजेपी की एनकाउंटर संस्कृति में कुछ पुलिस वाले भी बेरहम हो गए हैं। शिक्षक भर्ती के प्रदर्शनकारियों की गर्दन पर हाथ डालने वाले प्रशासन को उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवक 2022 में जवाब देंगेठ

अखिलेश यादव ने आगे कहा, ठसच तो यह है कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने पिछड़ों के साथ धोखा और छल किया है। आरक्षण खत्म करने का षडयंत्र किया जा रहा है। बीजेपी जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती क्योंकि बीजेपी का बुनियादी चरित्र सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। गरीब-किसान, श्रमिक उसकी प्राथमिकता में नहीं है। केवल पूंजी घरानों और कॉरपोरेट दुनिया से ही उनका वास्ता है। इसमें दो राय नहीं कि 2022 में होने वाला चुनाव देश के भविष्य की दशा-दिशा भी तय करेगा। यह चुनाव वंचित और युवा वर्ग को अपने संविधान तथा सम्मान बचाने का ऐतिहासिक अवसर है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ही प्रदेश में खुशहाली आएगी और समाज के हर वर्ग का मान-सम्मान सुरक्षित होगा।

33 दिनों बाद भारत में 10 हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में पिछले सप्ताह औसतन 8,000 से अधिक मामले प्रति दिन दर्ज किए गए। ये जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि कुल मिलाकर मामलों की पॉजिटिविटी रेट 0.92ऽ है। उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर से, देश में रोजाना 10,000 मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मिजोरम के 6 जिलों, अरुणाचल प्रदेश के एक जिले, पश्चिम बंगाल के कोलकाता सहित 8 जिलों में 10ऽ से अधिक की साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट नोट की जा रही है। उन्होंने कहा कि 14 जिलों में साप्ताहिक मामले की पॉजिटिविटी रेट 5-10ऽ के बीच है। मंत्रालय का कहना है कि भारत में 33 दिनों के बाद कोविड-19 के एक दिन में 10 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं, मामलों में तेजी से वृद्धि के मद्देनजर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक कोविड-19 मामलों और संक्रमण दर के आधार पर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात चिंता वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बनकर उभर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ऐसे पांच राज्य हैं जहां सबसे अधिक सक्रिय कोविड मामले हैं। भारत में आठ जिले 10ऽ से अधिक साप्ताहिक संक्रमण दर रिपोर्ट कर रहे हैं। इनमें से छह मिजोरम में, 1 अरुणाचल प्रदेश में और 1 पश्चिम बंगाल (कोलकाता) में है। मंत्रालय ने बताया कि भारत में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के 961 मामले हैं, जिनमें से 320 मरीज ठीक हो चुके हैं। लव अग्रवाल ने कहा कि भारत में लगभग 90ऽ वयस्क आबादी को पहली खुराक के साथ कोविड -19 के खिलाफ टीका लगाया जा चुका है। कोरोना संक्रमण के बाद प्रतिरक्षा यानी इम्युनिटी के बारे में बात करते हुए, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि संक्रमण के बाद प्रतिरक्षा का स्थायित्व लगभग नौ महीने तक बना रहता है। अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय अध्ययनों का हवाला देते हुए, डॉ भार्गव ने कहा, टीकाकरण के बाद की प्रतिरक्षा भी लगभग 9 महीने तक चलती है।

52 करोड़ टैक्स देकर नहीं बच पाएगा पीयूष जैन

कानपुर (ईएमएस)। कानपुर में 197 करोड़ रुपए की कैश बरामदगी के बाद गिरफ्तार किए गए पीयूष जैन सिर्फ टैक्स चुकाकर नहीं बच पाएगा। टैक्स देकर बाकी रकम वापस मांगने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले इत्र कारोबारी पीयूष जैन की दलीलों को डीजीजीआई ने खारिज किया है। पीयूष जैन के ठिकानों पर छापामारी का नेतृत्व करने वाले डीजीजीआई अहमदाबाद विंग के एडिशनल कमिश्नर विवेक प्रसाद ने कहा की जैन की 52 करोड़ टैक्स जमा कराने की बात गलत है। टैक्स नहीं लिया जाएगा न ही उसके पास से बरामद 197 करोड़ों रुपए को उसका बिजनेस टर्नओवर माना गया है। विवेक प्रसाद ने यह भी कहा कि पीयूष जैन के पास बरामद रुपया डिपार्टमेंट की केस प्रॉपर्टी है, जिसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कस्टडी में सुरक्षित रखा गया है। पीयूष जैन को केवल टैक्स लेकर छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। अभी जांच प्रक्रिया चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बीच पीयूष जैन ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पीयूष ने गुहार लगाई है कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) 52 करोड़ रुपए काटकर बाकी धन उसे वापस कर दे। बताया जा रहा है कि कानपुर जेल में 14 दिन की न्यायिक हिरासत काट रहे पीयूष जैन ने इस आशय की अर्जी लगाई है। पीयूष के वकील उसकी जमानत याचिका दाखिल करने की भी तैयारी कर रहे हैं। उधर, डीजीजीआई के अधिवक्ता अंबरीश टंडन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि पीयूष के घर से बरामद धनराशि टैक्स चोरी की है। मिली जानकारी के अनुसार पीयूष जैन ने अपने बयान में कबूल किया है उसने तीन कंपनियां बनाई थीं। उन कंपनियों के जरिए चार साल में गुप्त रूप से पान मसाला कम्पाउंड बेचा था। टैक्स चोरी के मकसद से उनसे रकम जमा की। इस पर कुल 32 करोड़ रुपए का टैक्स बनता है। पैनल्टी मिलाकल 52 करोड़ रुपए की देनदारी बनती है। बताया गया कि कन्नौज में पीयूष के ठिकाने से मिले सोने और रुपयों की डिटेल अभी तक नहीं मिल पाई है। पीयूष के सात ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

रथ यात्रा पर सपा ने पहले गोली चलाई थी - अमित शाह

अलीगढ़ (ईएमएस)। अलीगढ़ के ताला नगरी मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जन विश्वास रैली में कहा कि कल्याण सिंह ने यूपी में सबसे पहले सुशासन लाया था। उन्होंने कहा, ठरथ यात्रा पर सपा ने पहले गोली चलाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर पूरा करने का काम किया है।ठ विपक्ष पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा, ठबुआ, बबुआ उत्तर प्रदेश का भला नहीं कर सकते। सपाई गुंडई को समाप्त नहीं कर सकते। हमने लगातार 2 साल तक गरीबों को अनाज, आवास, दवाएं बाँटने का काम किया है।ठ

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास करने का साहस केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में ही है। प्रदेश में 10वीं जनसभा में पहुंचे अमित शाह ने कहा कि अपार भीड़ का विश्वास भाजपा को मिल रहा है। भाजपा 300 से ज्यादा सीट जीतकर फिर से सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कहा कि अखिलेश यादव 3 ङ के आधार पर काम करते हैं। पहले ङ का मतलब परिवारवाद, दूसरी ङ का मतलब पक्षपात और तीसरे ङ का मतलब पलायन है। जबकि भाजपा 3 ट्ट के आधार पर काम करती है। जो विकास, व्यापार और विरासत पर चलती है।

अमित शाह ने कहा कि सपा की सरकार में हर जनपद में जनता बाहुबली से परेशान रहती थी। माफिया लोगों की जमीन छीन लेते थे। अब कोई बाहुबली नहीं दिखाई देता। केवल बजरंगबली दिखाई देते हैं।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस की बहन इस समय यूपी में घूम रही है। राहुल गांधी ने पहले सभा की थी और कहा था कि आलू की फैक्ट्री डालना चाहते हैं। उनको मालूम नहीं है कि फैक्ट्री में आलू नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश का भला नहीं कर सकती। वहीं धारा 370 को हटाने का काम भाजपा ने किया है। जबकि कांग्रेस, सपा, बीएसपी धारा 370 हटाने का विरोध कर रही थी। अब कश्मीर देश का अभिन्न हिस्सा बन गया है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव चुनाव आने पर बाबूजी को याद नहीं करते, जिन्ना को याद करते हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि जिन्ना का महिमामंडन करने वालों को क्या वोट देना चाहिए? उन्होंने सपा के ँ्ँश शब्द के बारे में कहा कि इसका मतलब नसीरुद्दीन, इमरान मसूद, आजम खान, मुख्तार अंसारी का शासन चाहते हैं या राम मंदिर बनाने वाले योगी - मोदी का शासन चाहते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि भाजपा की सरकार बनाएं।

कालीचरण महाराज की गिरफ्तारी पर छिड़ा राजनीतिक बवाल

-एमपी, छग सरकारें भिड़ी

रायपुर (ईएमएस)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद रायपुर के टिकरापारा थाने में कालीचरण महाराज पर धारा 294, 505बी 295ए 53ए के तहत केस दर्ज किया गया था। इसके बाद से ही पुलिस उन्हें खोज रही थी। रायपुर में आयोजित धर्म संसद में महात्मा गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले कालीचरण को रायपुर पुलिस ने खजुराहो से गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ दो समर्थकों को भी हिरासत में लिया गया है। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने कालीचरण महाराज की गिरफ्तारी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रदेश की पुलिस को जानकारी दिए बिना गिरफ्तारी गलत है। इस पर सीएम भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया है।

जानकारी हो कि महात्मा गांधी पर की गई अभद्र टिप्पणी के बाद रायपुर के टिकरापारा थाने में कालीचरण महाराज पर धारा 294, 505बी 295ए 53ए के तहत केस दर्ज किया गया था। इसके बाद से ही पुलिस उन्हें तलाश रही थी। विरोध के बाद कालीचरण महाराज का एक और वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्होंने अपने बयानों पर माफी मांगने से इनकार कर दिया था। छत्तीसगढ़ पुलिस की तीन टीम कालीचरण महाराज की खोज में दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र भेजी गई थी। जिसमें से मध्य प्रदेश भेजी गई टीम को सफलता मिली। कालीचरण महाराज ने खजुराहो के पल्लवी गेस्ट हाउस में भी एक रूम बुक कर रखा था। महात्मा गांधी पर टिप्पणी को लेकर कालीचरण महाराज के खिलाफ महाराष्ट्र के पुणे में भी केस दर्ज किया गया था।

मालूम हो की कालीचरण महाराज पर राजद्रोह का केस दर्ज है। रायपुर एसएसपी ने कहा कि 26 दिसंबर को रावनभाठा के धर्म संसद में दिए विवादित व्याख्यान पर थाना टिकरापारा में कालीचरण महाराज के विरुध्द धारा 294, 505(2) भादंवि का अपराध दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर धारा 153 ए(1)(ए), 153 बी (1)(ए), 295 ए, 505(1)(बी), 124 ए भादंवि का भी समावेश किया गया है। अपराध पंजीबद्ध होने के बाद से कालीचरण अपना फोन बंद कर फरार हो गया था। रायपुर पुलिस की अलग-अलग टीम आरोपी कालीचरण की गिरफ्तारी के लिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली रवाना हुई थी और सभी संभावित स्थानों पर पता कर रही थी।

मध्य प्रदेश की टीम को खजुराहो में आरोपी कालीचरण के बारे में कुछ जानकारी मिली जिसके आधार पर खजुराहो से 25 किमी दूर बागेश्वर धाम के पास एक व्यक्ति के घर से जहां कालीचरण महाराज किराए से रह रहे थे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हिरासत में लेने के बाद आरोपित के वकील को इसकी सूचना दी गई है। हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर रायपुर पुलिस द्वारा रायपुर के माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया जाएगा। रायपुर पुलिस द्वारा पूरी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कालीचरण महाराज को हिरासत में लिया गया है। देर शाम तक पुलिस टीम के रायपुर पहुंचने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने जोखिम वाले देशों से आने वाली सभी सीधी उड़ानों को निलंबित किया

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह यूके और अन्य उच्च जोखिम वाले देशों से आने वाली सभी सीधी उड़ानों को 3 जनवरी से निलंबित कर रही है। ओमिक्रॉन संस्करण के कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि के बीच यह कदम उठाया गया है।

राज्य के गृह सचिव बीपी गोपालिका ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर राज्य के निर्णय के बारे में सूचित किया है। मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा, ठभारत सरकार के एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा अधिसूचित जोखिम भरे देशों की उड़ानों को राज्य में अनुमति नहीं दी जाएगी और नागर विमानन को जारी किए गए किसी भी एनओसी को वापस ले लिया जाएगा।

कोवैक्सीन तीनों चरणों के परीक्षणों में किशोरों पर प्रभावी और इम्युनोजेनिक साबित हुआ - भारत बायोटेक

हैदराबाद (ईएमएस)। भारत बायोटेक ने आज घोषणा की कि कोवैक्सीन , तीनों चरणों के परीक्षणों में किशोरों पर प्रभावी और इम्युनोजेनिक साबित हुआ है। भारत बायोटेक की ओर से यह ऐलान इस लिहाज से बहुत अच्छा माना जा सकता है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग बच्चों के टीकाकरण को लेकर असहज महसूस कर रहे हैं। अब 2 साल से ऊपर के बच्चों के लिए कोवैक्सिन के सुरक्षित और इम्युनोजेनिक साबित होने पर टीकाकरण अभियान जोर पकड़ सकेगा।

वैक्सीन निर्माता की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत बायोटेक ने 2-18 आयु वर्ग के स्वस्थ बच्चों और किशोरों में कोवैक्सिन की सुरक्षा, प्रतिक्रियात्मकता और इम्युनोजेनेसिटी का मूल्यांकन करने के लिए चरण द्वितीय, तृतीय, ओपन-लेबल और बहुकेंद्र अध्ययन किया था।

जीएसटी परिषद की बैठक 31 को, कर की दरें घटाने पर हो सकता है निर्णय

नई दिल्ली (ईएमएस)। वस्तु और सेवा कर परिषद (जीएसटी)की कल होने जा रही बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले होने जा रहे हैं। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में होने जा रही है जीएसटी परिषद की बैठक जीएसटी की दरें घटाने पर भी फैसला हो सकता है। चर्चा है कि जीएसटी की 12 और 18 फीसदी की दरों का विलय कर एक दर बनाई जाएगी। दोनों टैक्स स्लैब को एक करने की मांग काफी दिनों से उठ रही है। केंद्रीय मंत्री समूह ने भी जीएसटी दरें घटाने को लेकर अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंप दी है। रिपोर्ट में टैक्स स्लैब के विलय के साथ जीरो जीएसटी वाले कुछ उत्पादों को कर के दायरे में लाने का सुझाव दिया गया है।

जानकारों ने बताया कि बैठक में कपड़ों पर टैक्स की दर बढ़ाने के फैसले को टालने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। बजट से पूर्व 46वीं बैठक को कई मायनों में अहम माना जा रहा है। अधिकार संपन्न जीएसटी परिषद की बैठक ऑफलाइन होने जा रही है, लेकिन कोविड नियमों को देखते हुए प्रत्येक राज्य से केवल दो अधिकारियों को ही बैठक में भाग लेने की अनुमति है। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में फुटवियर और कपड़ा सेक्टर पर उल्टे कर ढांचे को ठीक करने के लिए इन दोनों क्षेत्रों के उत्पादों के लिए पहली जनवरी 2022 से जीएसटी दरों की स्लैब में फेरबदल करने का फैसला किया था।

सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीएसटी वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा को बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया है। प्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने ट्वीट किया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए फॉर्म जीएसटीआर-9 में वार्षिक रिटर्न और फॉर्म जीएसटीआर-9ण में स्व-प्रमाणित समाधान विवरण प्रस्तुत करने की नियत तिथि बढ़ा दी गई है। जीएसटीआर-9 माल और सेवा कर (जीएसटी) के तहत पंजीकृत करदाताओं द्वारा वार्षिक रूप से दाखिल किया जाने वाला वार्षिक रिटर्न है।

कार्टून कोना

जन हितैषी

भारत-नेपाल बेहतरी की ओर

भारत-नेपाल पड़ोसी राष्ट्र ही नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों में रोटी-बेटी का भी संबंध है। इस कारण दोनों के बीच अटूट रिश्ता है। बीच में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन की ओर झुकाव ने भारत-नेपाल के बीच कटुता ला दी थी। मगर अब देउबा के सत्ता में आने के बाद नेपाल फिर से संबंधों में मिठास लाने की ओर बढ़ रहा है। राजनीतिक उथल पुथल और कोरोना वायरस महामारी से घिरे साल 2021 में नेपाल भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बेहतर करने की कोशिश में है। भारत ने कोरोना काल में नेपाल को 10 लाख से अधिक कोरोना के टीके गिफ्ट किए थे। कोरोना के अलावा भारत ने 2015 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त हुए शैक्षणिक संस्थानों के पुनर्निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तौर पर 19.66 करोड़ रुपए का अनुदान दिया था। इसके साथ ही भारत ने शैक्षिक क्षेत्र के पुनर्निर्माण प्रोजेक्ट्स के लिए नेपाल को 51.37 करोड़ की सहायता की है। नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को भारत का हिस्सा दिखाए जाने का भारी विरोध किया था। काठमांडू ने इस क्षेत्र पर भारत के दावों को मानने से साफ इनकार कर दिया था। नेपाल ने घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर भी टॉप लीडरशिप में बदलाव देखा। नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा एक महीने के हाई-वोल्टेज ड्रामा के बाद जुलाई में रिकॉर्ड पांचवीं बार पीएम बने थे। 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने थे लेकिन देउबा ने प्रतिनिधि सभा ने विश्वास मत हासिल कर लिया था। पीएम बनने के बाद देउबा ने पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया था और इतिहास, संस्कृति, परंपरा और धर्म के सदियों पुराने संबंध पर स्थापित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की बात कही थी। पीएम रहते हुए केपी शर्मा ओली ने लगातार भड़काने वाले बयान दिए। उन्होंने कहा था कि योग की उत्पति नेपाल में हुई थी न कि भारत में। इसके बाद उन्होंने कहा कि भगवान राम का जन्म नेपाल के चितवन जिले के मादी क्षेत्र में हुआ था न कि भारत के अयोध्या में। नेपाल के विदेश मंत्री रहे प्रदीप ग्यावली ने भारत नेपाल के बिगड़ते संबंधों को लेकर कहा था कि नेपाल और भारत के बीच ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जिसे बातचीत के माध्यम से हल नहीं किया जा सकता है। दोनों मित्र देश हैं न कि प्रतिस्पर्धी। देउबा के सत्ता में आने के बाद दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। अक्टूबर की शुरुआत में नेपाली कांग्रेस के टॉप नेता दिल्ली पहुंचे थे जहां विदेश मंत्री जयशंकर और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक हुई थी। इसके बाद भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रमुख विजय चौथेवाले काठमांडू पहुंचे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्री मिले। ग्लासगो में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान मोदी और देउबा भी मिले थे। ऐसे में विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत और नेपाल द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने पर कर लगातार काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में जनवरी 2022 में देउबा भारत के दौरे पर आ रहे हैं। वर्तमान प्रधानमंत्री को लोग भारत समर्थक मान रहे हैं। साथ ही सभी दलों ने भी भारत के साथ मिलकर नेपाल के विकास के लिए काम करने की बात कही है। यही कारण है कि कोरोना के नाम पर 18 माह से भारत नेपाल सीमा बंद होने के कारण दोनों ओर से आम नागरिकों की आवाजाही नहीं के बराबर है। सभी लोग सीमा खुलने का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं लेकिन नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नए प्रधानमंत्री के तौर पर शेरबहादुर देउबा के कमान संभालते ही बंद सीमा खुलने तथा संबंधों में मधुरता आने के कयास लगाए जाने शुरू हो गए हैं। माओवादी सांसद शिवकुमार मंडल ने भारत के साथ नेपाल के विकास में काम करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि नेपाल की वर्तमान सरकार की रणनीति भी यही है कि भारत के साथ पूर्व की तरह ही अच्छे सबंध रहे, जैसा कि पूर्व में था। तराई क्षेत्र के लोगों का भी बंद सीमा जल्द खुलने की आस जगी है। भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव खूशबू दुबे ने कहा कि भारत नेपाल के बीच हाल में जो कटुता आई थी, वह समाप्त हो चुकी है।

महामारीः डर नहीं, सावधानी जरुरी

इसमें शक नहीं कि भारत के मुकाबले कोरोना महामारी का प्रकोप अन्य संपन्न देश में ज्यादा फैला है लेकिन अब उसकी तीसरी लहर उन्हीं देशों में इतनी तेजी से फैल रही है कि भारत को फिर से भारी सावधानी का परिचय देना होगा। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, ग्रीस, इटली और सायप्रस जैसे देशों में कोरोना, डेल्टा और ओमीक्रोन के रोज़ नए लाखों मरीज़ पैदा हो रहे हैं। यह ठीक है कि उनकी मृत्यु-दर पहले जैसी नहीं है लेकिन इन देशों के कई शहरों में मरीजों के लिए पलंग कम पड़ रहे हैं। अमेरिका जैसा संपन्न देश, जहां की स्वास्थ्य-सेवाएं विश्वप्रसिद्ध हैं, वहां भी हजारों लोग रोज़ अस्पताल की शरण ले रहे हैं। फिलहाल भारत का हाल इन देशों के मुकाबले बेहतर है लेकिन खतरे की घंटियां यहां भी अब बजने लगी हैं। अकेले दिल्ली शहर में यह आंकड़ा एक हजार रोज को छू रहा है। देश के कई शहरों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन हमारे लोग अब भी सतर्क नहीं हुए हैं। वे पिछले कई माह से घरों में कैद थे, उससे छूटकर अब सैर-सपाटे में लगे हुए हैं। कश्मीर में इतने सैलानी इस बार जमा हुए हैं, जितने पहले कभी नहीं हुए। इसी तरह की सूचनाएं और निमंत्रण मुझे देश के सुरम्य शहरों से कई मित्रगण भेज रहे हैं। सबसे ज्यादा छूट तो हमारे नेतागण ले रहे हैं। उनकी सभाओं में लाख-लाख लोग इकट्ठे हो रहे हैं। न तो वे मुखपट्टी रखते हैं और न ही शारीरिक दूरी। यदि यह महामारी फैलेगी तो यूरोप-अमेरिका को भी भारत इस बार पीछे छोड़ देगा। हमारे नेताओं की भी बड़ी मजबूरी है। कई प्रांतों के चुनाव सिर पर हैं। यदि वे बड़ी-बड़ी सभाएं नहीं करें तो क्या करेंगे? अखबारों और चैनलों पर अपने विज्ञापन लटकाने में वे करोड़ों रु. रोज बहा रहे हैं लेकिन वे 'ज़ूम' या इंटरनेट के जरिए अपनी सभाएं कैसे करें? उनके ज्यादातर अनुयायी अर्धशिक्षित, ग्रामीण, गरीब और पिछड़े लोग होते हैं। वे इन आधुनिक टोटकों से वाकिफ नहीं हैं। ऐसे में क्या बेहतर नहीं होगा कि हमारा चुनाव आयोग इन चुनावों को थोड़ा आगे खिसका दे? भारत में यदि यह नई महामारी फैल गई तो देश की अर्थ-व्यवस्था और राजनीति, दोनों ही अस्त-व्यस्त हो जाएंगी। यह खुशी की बात है कि कुछ प्रांतीय सरकारों ने अभी से कई सख्तियां लागू कर दी हैं। यह अच्छा है लेकिन इससे भी ज्यादा जरुरी यह है कि जनता खुद अपने पर सख्ती लागू करे। वह आयुर्वेदिक औषधियों, काढ़ों और घरेलू मसालों से अपनी स्वास्थ्य-सुरक्षा में वृद्धि करें और भीड़-भाड़ से बचती रहे। हमारे डाक्टरों और नर्सों के लिए भी परीक्षा की घड़ी फिर से आ रही है। यह सुखद है कि हमारे दवा-विशेषज्ञों ने जो नए कोरोना-टीके और गोलियां बनाई हैं, उन्हें संयुक्तराष्ट्र संघ की मान्यता भी मिल गई है। अब इन नए साधनों से करोड़ों लोगों का इलाज सस्ता, सरल और शीघ्र हो जाएगा। याने अब डरने की जरुरत नहीं है लेकिन पूरी सावधानी रखने की है। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

31 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2021 वर्ष का 365 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 10.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 22.04 बजे को समाप्त।
योग शूल 17.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.40 बजे तदनन्तर गर 21.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 06'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871114
जूलियन दिन 2459579.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उलावल **तारीख** 26
विशेष सुरूप द्वादशी, प्रदोष व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.44 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कुंभ	09.30 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	11.03 बजे से
बुध	मकर में	मेष	12.34 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	14.14 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.12 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	18.25 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.41 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.53 बजे से
		तुला	01.04 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृश्चिक	03.19 ब.से
		धनु	05.35 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लोकतंत्र को कलंकित करने वाला वर्ष....?

(अलविदा..2021)

हमें 'अलविदा' कहकर जाने वाले वर्ष 2021 को निष्पक्ष समीक्षा यदि की जाए तो यह वर्ष किसी भी दृष्टि से 'शुभ' साबित नहीं हुआ, दुनिया ने जहां पूरे वर्ष 2020 की तरह ही 'कोरोना' का दंश झेला, वहीं विश्व के लोकतंत्री देशों के लिए भी यह वर्ष काफी 'दागदार' सिद्ध हुआ। यदि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्री देश हमारे भारत की ही बात करें, तो भारत में तो इस वर्ष की शुरूआत ही हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अपमान से हुई थी, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली के लाल किले पर जो कुछ हुआ, उस घटना ने भारत का सिर शर्म से झुका दिया, उस दिन किसानों के एक कथित समूह ने हमारी धरोहर लाल किले में प्रवेश कर जो कुछ भी कृत्य किया, वह पूरे देश के लिए काफी लज्जाजनक था, तिरंगे का अपमान कर वहां निशान-ए- खालसा फहरा दिया गया, स्मरणीय है कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों से सम्बंधित तीन कानून संसद से पारित करवाकर उन्हें कानून का दर्जा दे दिया था, जिसका देश के किसानों व उनके संगठनों ने तीव्र विरोध किया था, किसानों का आंदोलन एक साल से भी अधिक चला और अंततः स्वयं प्रधानमंत्री को ये विवादित कानून वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी और संसद ने भी कानून वापसी पर मंजूरी की मोहर लगाई, तब किसानों के आंदोलन खत्म हुए, अतः 26 जनवरी को लाल किले पर जो कुछ हुआ वह निंदनीय घटनाक्रम इसी किसान आंदोलन का एक हिस्सा था, जिसने हिंसक रूप धारण कर लिया था, जिसकी विश्व में हर स्तर पर निंदा की गई। आजादी के बाद से अब तक हमारी आन बान शान लाल किले पर हुई यह पहली निंदनीय घटना थी।

भारत की राजधानी में हमारे गणतंत्र दिवस पर घटी इस घटना ने हमारे लोकतंत्र को दागदार बना दिया, वैसे इस वर्ष के दौरान 'लोकतंत्र' को बदनाम कर दागदार बनाने वाली तीन घटनाऐं हुई, जिसकी शुरूआत भारत से इस घटना से हुई। भारत के बाद लोकतंत्र को दागदार बनाने वाली दूसरी घटना अमेरिका में हुई, जहां वहां की संसद पर हमला किया गया, लोकतंत्र के चेहरे पर कालीख पोतने वाली इस घटना के सूत्रधार और कोई नहीं बल्कि वहां के राष्ट्रपति पद पर पराजित हुए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प थे, जिन्होंने चुनाव के बाद अपनी हार स्वीकार नही की और अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते अपने समर्थकों से ऐसी निन्दनीय घटना को समर्थन दिया, डेमोक्रेटिक नेता जो बाईडेन के राष्ट्रपति चुन लिये जाने से ट्रम्प काफी नाराज थे और उन्होंने संसद पर हमले जैसी घटना को अंजाम दिया, जिसमें चार लोगों को अपने जीवन को अलविदा कहना पड़ा। इस घटना के बाद वाशिंगटन में आपातकाल लगाना पड़ा था, दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्री देश अमेरिका के लिए यह घटना काफी परेशान करने वाली थी, जिसकी पूरे विश्व ने निंदा की।

लोकतंत्र को दागदार बनाने वाली विश्व की तीसरी घटना अफगानिस्तान में घटी जहां बीस साल बाद पुनः आतंकी राज कायम हो गया। इस घटना ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया, तालीबानी आतंकियों ने अपनी सरकार यहां स्थापित कर ली। यद्यपि इसकी बुनियाद तो फरवरी 2020 के दोहा समझौते से ही पड़ गई थी, लेकिन वर्ष 2021 इसके लिए निर्णायक साबित हुआ जब 15 अगस्त को तालिबान के आक्रामक दलों का राष्ट्रपति भवन पर कब्जा हो गया, काबुल पर तालिबान के कब्जें के बाद राष्ट्रपति अशरफगनी देश छोड़कर फरार हो गए, अफगानिस्तान में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति दूसरी बार हुई, इससे पहले 1999-2000 के बीच तालिबान का यहां कब्जा था, जो वर्ष 2021 में अमेरिका के हमले के बाद ही समाप्त हो गया था, अमेरिका ने यह हमला 11 सितम्बर 2001 को हुए आतंकी हमले के बाद किया था, जिसके हमलावरों को प्रशिक्षण से लेकर पनाह तक तालीबान के राज वाले अफगानिस्तान में मिली थी, बीस साल बाद तालिबानियों ने उसी अमेरिका को परास्त कर अफगानिस्तान पर अपना कब्जा कर लिया और अमेरिका मूक दर्शक बना रहा।

इस प्रकार सिर्फ इन तीन घटनाओं ने 2021 के वर्ष को लोकतंत्र को 'दागदार' बना दिया, ये तीन अहम घटनाऐं थी, जिसने लोकतंत्र का अवमूल्यन किया, इसके साथ ही यह वर्ष कोरोना महामारी और बाद में इसके नए रूप ओमीक्रोन को लेकर भी पूरा विश्व काफी परेशान रहा, यह ओमीक्रोन 2021 वर्ष ने 2022 को वसीयत के रूप में सौंपा है, अब इस महामारी से यह वर्ष कैसे उभरता है, यही जानने की हर कहीं उत्सुकता है, वैसे कुल मिलाकर 2021 पूरे विश्व के लिए 'अभिशाप' ही सिद्ध हुआ।(लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

जीवन में जरूरी है 'सेहत से संवाद'

वर्ष 2021 अपने अंतिम सप्ताह में है। अच्छी बुरी तमाम बातें जल्द ही स्मृति का हिस्सा बन जाएंगी। कुछ नए संकल्प जीवन में आएंगे। उनमें जो सबसे पहला संकल्प हो सकता है, वह है अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना। क्योंकि बहुत पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। आज के समय में हम सब को भी स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया इस समय एक वैश्विक महामारी से जूझ रही है बल्कि इसलिए भी कि हमारी जीवनशैली ऐसी हो गई है, जिसमें शरीर का ख्याल कहीं पीछे छूटता जा रहा है।

हम जीवन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तब कर पाते हैं, जब हम स्वस्थ हैं। ऐसे में सेहत से संवाद करना आज की महती जरूरत है। आज के दौर में भागदौड़, प्रतिस्प र्धा और सामाजिक ताने-बाने में हमारी सेहत पीछे छूटती चली जा रही है।

कभी हम सोचते हैं कि सुबह उठकर दौड़ लगाएंगे तो कभी हम सोचते हैं मोटापा कम करने के लिए डाइटिंग शुरू कर देंगे। डाइटिंग से हमारा वजन तो कम हो जाता है लेकिन शरीर से ऊर्जा चली जाती है। हमारे शरीर को सही मात्रा में कार्बोहाइड्रेड, प्रोटीन, फैट और फाइबर की जरूरत होती है। बस निर्धारित करना है अपने शरीर और रूटिन के साथ इनके सामंजस्यब को।

असल में यह सारी बातें समझने के लिए हमें बहुत बड़ा डॉक्टर या खानपान विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। अगर हम अपने व्यस्त समय में से कुछ समय भी उस तरह से जी लें जैसा कि मनुष्य पारंपरिक रूप से जीता था तो हम अपने स्वास्थ्य पर बहुत बड़ा उपकार कर सकते हैं।

सबसे पहले भोजन की बात ही लेते हैं। अगर हम सिर्फ वैसा ही पारंपरिक खाना खाएं जैसा कि उत्तर भारत और मध्य भारत में खाया जाता था तो उससे हमारे शरीर की बहुत सी आवश्यकताएं जिनमें माइनर मिनिरल्स भी शामिल हैं पूरी हो सकती हैं। हमारे यहां सब्जी में जो बघार लगाया जाता है, उसमें राई, सरसों, हल्दी, प्याज, जीरा जैसी छोटी-छोटी चीजों का इस्तेमाल होता है, जिन पर हमारा ध्यान वैसे नहीं जाता। असल में इनमें से ज्यादातर चीजें हमारे शरीर में माइनर मिनिरल्स और कुछ विटामिंस की पूर्ति करने के लिए हमारे पुरखों ने खाने का अभिन्न अंग बनाई थी।

इसी तरह घर के छोटे-छोटे कामों में हाथ बटाना हमारे शरीर को लचीला बनाता है। सब्जी काटना, रोटी बेलना, कपड़े हाथ से फटकारना या धोना, पालथी मारकर बैठना, शंख बजाना यह सब ऐसी चीजें हैं जो हमारे शरीर को सहज रूप से स्वस्थ रहने में मदद करती हैं।

अक्सर हम इन सब कामों को घर पर आने वाले घरेलू सहायक या सहायिका के भरोसे छोड़ देते हैं और बच्चों को भी ऐसे संस्कार देते हैं कि वह घरेलू काम को करना नौकर वाला काम समझते हैं। असल में यह नौकर वाला काम नहीं है, अपने शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखने वाला काम है।

इसीलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि अपने शरीर को आलसी बनाने के बजाय थोड़ा बहुत कामकाज में व्यस्त रहने दें। बागवानी और दूसरे काम भी इसमें खासे मददगार हो सकते हैं।

भोजन का अनुशासन एक दूसरी चीज है जो हमारे शरीर को बहुत स्वस्थ बनाए रखती है। खाने के मामले में खाने की गुणवत्ता से भी अधिक महत्वपूर्ण उसकी टाइमिंग होती है। अगर हम अव्यवस्थित रूप से भोजन करते हैं और समय के पाबंद नहीं होते हैं तो इससे हाजमा खराब होता है। आजकल ज्यादातर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पेट के विकार से ही उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए साल के इस अंतिम सप्ताह में हम इन बातों पर ध्यान करें और जहां तक जो संभव हो सके वह सुधार लाने की कोशिश करें। (लेखक/ईएमएस-प्रवीण कक्कड़)

आज का इतिहास 31 दिसंबर

1599 ईस्ट इंडिया कंपनी को शाही स्वीकृति मिली.
1719 इंग्लैंड के राजघराने के पहले खगोलशास्त्री जान फ्लैम स्टीड का निधन.
1802 पेशवा बाजीराव द्वितीय ब्रिटिश संरक्षण में गए.
1879 थामस एडीसन ने न्यू जर्सी में विद्युत लैंप का प्रदर्शन किया.
1911 भौतिकविज्ञानी मेरी क्यूरी को नोबेल पुरस्कार से दोबारा सम्मानित करने की घोषणा की गई.
1929 भारतीय राष्ट्रीय कांगेस ने लाहौर में आधी रात को पूर्ण स्वराज का संकल्प लिया.
1946 अमरीका ने द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने का ऐलान किया.
1948 पानी और धरती पर सबसे तेज गति का रिकार्ड बनाने वाले सर मैलकम कैम्पबेल का निधन.
1968 रूस के सुपरसानिक विमान डी यू 144 ने पहली बार उड़ान भरी.
1973 ब्रिटेन में सरकार ने ऊर्जा में बचत के लिए काम का सप्ताह तीन दिन कर दिया.
1981 घाना में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया.
1984 राजीव गांधी दोबारा प्रधानमंत्री बने.
1990 लेखक रघुवीर सहाय का निधन.
1994 बोस्निया सरकार ने युद्ध विराम समझौता किया.
1997 मोहम्मद रफीक तरार पाकिस्तान के राष्ट्रपति चुने गए.
1998 यूरोपीय यूनियन के वित्तमंत्रियों ने यूरो से मुद्राओं के विनियम की निश्चित दर घोषित की.
1999 भारत सरकार द्वारा मौलाना मसूद के साथ दो और आतंकवादियों को छोड़ने की मांग को मान लेने के बाद सभी बंधक यात्री रिहा.
1999 पनामा ने अमरीका से पनामा नहर को अपने कब्जे में ले लिया.
2004 अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के एक डिस्कोथेक में आग लग जाने से 174 मरे व 410 घायल.

पारदर्शी हो टोल वसूली

केवल तीन दशक पहले की देश की सड़कों यहाँ तक कि राष्ट्रीय राजमार्गों तक की स्थिति को यदि हम याद करें तो हमें जगह जगह सड़कों में पड़े गड्ढे, उन सड़कों में बरसातों में कीचड़ पानी आदि दिखाई देता है। चौड़ी,काली, चमचमाती हुई चार व छः लेन की सड़कें तो केवल फ़िल्मों में ही नज़र आती थीं। वह भी विदेशों में की गयी शूटिंग में। तीन दशक पूर्व तक जगह जगह दुर्घटनाओं के मंज़र दिखाई देते थे। ज़ाहिर है लगभग दो सौ वर्ष तक अंग्रेज़ों द्वारा जी भर कर लूटा गया भारतवर्, आज़ादी के बाद आर्थिक व तकनीकी रूप से कमज़ोर था और धीरे धीरे आत्मनिर्भर हो रहा था। दुर्भाग्यवश भारत को चीन व पाकिस्तान जैसे पड़ोसी मिले जिन्हें भारत की प्रगति व आत्मनिर्भरता रास नहीं आती थी। लिहाज़ा आज़ादी के मात्र तीन दशक के भीतर ही भारत को अपने इन्हीं पड़ोसियों से युद्ध का सामना भी करना पड़ा। ऐसे में देश के विकास के आधारभूत ढांचे पर इसका प्रभाव पड़ना ही था।

बहरहाल तीन दशक पूर्व जब वैश्वीकरण का दौर शुरू हुआ,पूरी दुनिया ने एक दूसरे से सहयोग व एक दूसरे की बाज़ार व्यवस्था का हिस्सा बनना शुरू किया तभी भारत सहित कई विकासशील देशों में भी परिवर्तन का दौर आना शुरू हुआ। अब वह दौर समाप्त हो गया कि यदि किसी देश के पास पैसे नहीं तो वह सड़कें नहीं बना सकता। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रगतिशील व जनहितकारी नीतियां व योजनायें बनीं। इन्हीं में सड़क निर्माण से जुड़ी एक नीति थी बोट अर्थात बिल्ट ऑपरेट ट्रांसफर इस नीति के तहत देश की हज़ारों सड़कें,राष्ट्रीय राजमार्ग बड़े बड़े पुल व फ़्लाई ओवर बनाये गये और अभी भी बनाये जा रहे हैं। इसमें कोई निर्माण कंपनी सरकारी स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा के बाद किसी सड़क अथवा अन्य निर्माण परियोजना का टेंडर प्राप्त करती है। उसके बाद वह कंपनी निर्माण परियोजना को पूरा कर किसी दूसरी मार्ग संचालन कंपनी के हवाले कर देती है। वह कंपनी उस परियोजना को संचालित कर उसपर आये ख़र्च की ब्याज व मुनाफ़ा सहित वसूली आम लोगों से टोल टैक्स के रूप में करती है। और जब वह कंपनी अपनी वसूली पूरी कर लेती है तब वह परियोजना सरकार को हस्तांतरित कर देती है। इसी व्यवस्था के तहत देश के अनेक एक्सप्रेस वे के निर्माण भी किये गये हैं। इनपर एक स्थान से दूसरे स्थान तक अथवा किलोमीटर के हिसाब से वाहन चालकों से वसूली की जाती है।

टोल वसूली की व्यवस्था को देरी मुक्त करने के उद्देश्य से अति आधुनिक ई व्यवस्था भी पिछले कुछ वर्षों से शुरू की जा चुकी है। कहीं कहीं तो फ़ास्ट टैग न होने पर वाहनों से दोगुना शुल्क वसूला जाता है। परन्तु इस टोल वसूली के तौर तरीक़ों तथा टोल शुल्क की क़ीमतों को लेकर वाहन चालकों में एक संदेह की स्थिति हमेशा बनी रहती है। किसी टोल पर कुछ शुल्क वसूला जाता है तो किसी पर कुछ । कोई टोल किसी पुरानी जगह से हटाकर किसी दूसरी नई जगह पर लगा दिया जाता है तो कभी किसी टोल का शुल्क अचानक बढ़ा दिया जाता है। टोल वसूली की पूरी व्यवस्था कंप्यूटरीकृत होने के कारण ज़ाहिर है परियोजना संचालित करने वाली कंपनी को इस बात की पल पल जानकारी मिलती है कि कब किस क्षण किस टोल प्लाज़ा पर कितने पैसों की वसूली की जा चुकी है। परन्तु टोल का भुगतान करने वाले करोड़ों लोगों को इस बात की क़तई जानकारी नहीं हो पाती कि किस टोल बैरियर पर कुल कितनी वसूली की जानी है,कितनी वसूली की जा चुकी है और अब कितनी वसूली बक़ाया है।

पिछले दिनों चले किसान आंदोलन में एक वर्ष तक देश के सैकड़ों टोल किसानों ने निः शुल्क करवा दिये थे। इस दौरान टोल वसूली के पक्षधरों द्वारा कई बार टोल वसूली रुकने पर चिंता भी जताई गयी। बार बार यह बताने का प्रयास किया गया कि टोल वसूली स्थगित होने की वजह से कितना नुक़सान हो रहा है। परन्तु टोल वसूली को लेकर जनता के मन में जो चिंता,सवाल,शंकायें हैं उनपर सरकार का ध्यान कभी नहीं गया। किसान आंदोलन के दौरान ही संसद में स्वयं प्रधानमंत्री ने किसानों की मांगों पर नहीं टोल वसूली बाधित होने व मोबाईल टावर्स को कथित तौर पर नुक़सान पहुंचाये जाने पर चिंता ज़ाहिर की थी। गोया हमारे राजनेता कॉर्पोरेट्स के हितों के लिये तो चिंतित हैं ,उनको हो रहे किसी भी नुक़सान की तो उन्हें चिंता है,परन्तु ये उस आम जनता के हितों के लिये फ़िक्रमंद नहीं जिसने अपना क़ीमती वोट देकर जनहितकारी उद्देश्यों को पूरा करने के मक़सद से इन्हें सत्ता के शिखर पर बिठाया है ?

आधुनिक तकनीक व वसूली के कंप्यूटरीकृत तरीक़े के चलते आज यह पूरी तरह संभव है कि प्रत्येक टोल की शुल्क वसूली को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाये। प्रत्येक टोल पर बड़े स्क्रीन लगाये जाने चाहिये और उन्हें टोल वसूली कंप्यूटर्स से जोड़ देना चाहिये। इसके स्क्रीन पर इस बात की स्पष्ट जानकारी होनी चाहिये कि अमुक टोल वसूली वाली परियोजना की लागत क्या है? इस टोल पर कुल कितनी रक़म वसूल की जानी है। अब तक कितनी वसूली की जा चुकी है और अब कितनी वसूली बक़ाया है। टोल वसूली का स्क्रीन डिस्प्ले का यह पारदर्शी तरीक़ा जहां आम लोगों में सरकार व टोल वसूली कंपनियों के प्रति विश्वास पैदा करेगा वहीं जनता को यह विश्वास भी हो सकेगा कि टोल प्लाज़ा पर उन्हें लूटा व ठगा नहीं जा रहा है। जब तक टोल वसूली व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी नहीं होगी तब तक आम लोगों में इस बात का संदेह बना रहेगा कि टोल के नाम पर उन्हें ठगा व लूटा जा रहा है और सरकार व टोल वसूली करने वाली कंपनियों के बीच कोई न कोई साठगांठ ज़रूर है। (लेखक- निर्मल रानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7153

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8				
9	10	■	■		■		11	
■		■	12		13	■		■
14				■	15			
■		■	16	17		■		■
18		■	■		■	■	19	20
	■	21	22		23	24	■	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वदेश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधू, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -7152 का हल

■	शा	र	दा	■	सा	हि	ल	■
दा	म	■	न	■	ल	■	त	ब
खि	■	प्रा	व	धा	न	■	■	रा
ल	व	ण	■	न	■	त	ह	त
■	■	ना	म	■	रा	ह	■	■
ती	र	थ	■	स	■	ल	ग	न
स	■	■	मु	ब	ल	क्का	■	क
रा	ज	■	नी	■	ह	■	बे	टा
■	न	र	म	■	जा	हि	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईसीसी पुरस्कारों में पाक के आजम सहित चार खिलाड़ी शामिल, रोहित और विराट को नहीं मिली जगह

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरस्कारों की सूची में भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान विराट कोहली ओर सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा को जगह नहीं मिली है। वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को इसमें शामिल किया गया है। आईसीसी ने साल के चार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में आजम सहित 4 खिलाड़ियों को जगह दी है।

इसमें बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को भी जगह मिली है। शाकिब ने इस साल 9 वनडे मैच में 40 की औसत से 277 रन बनाए हैं। इसके अलावा इस स्पिनर ने 17 विकेट भी लिए हैं। आजम ने इस साल सिर्फ 6 वनडे के मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने 68 की औसत से 405 रन बनाए। इसमें 2 शतक भी हैं। दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका के मलान भी सूची में शामिल हैं। मलान ने 8 मैच में 85 की औसत से 509 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 2 अर्धशतक भी लगाया. वहीं आयरलैंड के सीनियर खिलाड़ी पॉल स्टर्लिंग को भी आईसीसी ने शामिल किया है। उन्होंने इस साल 14 मैच में 80 की औसत से 705 रन बनाए हैं।

टेलर ने संन्यास की घोषणा की

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के अनुभवी खिलाड़ी रॉस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। टेलर ने कहा है कि नीदरलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के बाद वह नहीं खेलेंगे। इससे पहले उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेलने हैं। वह अपने करियर का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच हैमिल्टन में 4 अप्रैल को खेलेंगे। टेलर ने हालांकि कहा है कि वह सेंट्रल स्टेग के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। टेलर अंतिम टेस्ट मैच 9 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेलेंगे।

टेलर ने 17 साल के अपने सफर में समर्थन के लिए प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टेलर ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान आने वाले मैचों की तैयारियों पर रहेगा। टेलर ने साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और 44.87 की औसत से अब तक 7 हजार 584 टेस्ट रन बनाये हैं। इसमें 19 शतक शामिल हैं। वहीं 233 एकदिवसीय मैच में टेलर ने 48.2 की औसत से 8 हजार 581 रन बनाए हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 21 शतक है। इसके अलावा 102 टी20 मैच में उन्होंने 1909 रन भी बनाये हैं।

आठ लोगों के कोरोना संक्रमित होने से एशेज सीरीज पर खतरा मंडराया

मेलबर्न (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और मैच रेफरी डेविड बून के कोरोना संक्रमित होने से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज पर खतरा मंडराने लगा है। बून के संक्रमित होने से अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि बून की जगह अब 5 जनवरी से सिडनी में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में स्टीव बर्नार्ड मैच रैफरी होंगे। बर्नार्ड आईसीसी पैनल के सदस्य भी हैं। बून सीरीज के 5वें मैच में वापसी करेंगे।

बून को कोरोना टीके के दोनों डोज लगे थे। उन्होंने बूस्टर डोज भी लिया था। इसके बाद भी वह संक्रमित हुए हैं। बून में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले हैं। वह अभी मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे। मेलबर्न में ही तीसरा टेस्ट खेला गया था। 27 दिसंबर से दोनों टीम के खिलाड़ियों, परिवार और सहयोगी स्टाफ का लगातार कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। इसी दौरान अब तक 8 लोग संक्रमित सामने आये हैं। इसमें इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड भी शामिल हैं। वे भी मेलबर्न में ही हैं। ऐसे में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड टीम बिना कोच के ही मैदान में उतरेगी। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 3-0 से आगे है।

साल 2021 में भी शतक नहीं लगा पाये विराट

नये साल में पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ सकते हैं

सेंचुरियन (ईएमएस)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के लिए साल 2021 भी अच्छा नहीं रहा। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने अंतिम बार नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। उसके बाद से ही वह शतक के लिए तरस रहे हैं। विराट इसी कारण दो साल से ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग का 71 शतक का रिकार्ड भी नहीं तोड़ पाये हैं। विराट ने अबतक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाये हैं। वे साल 2020 के बाद 2021 में भी एक भी शतक नहीं लगा सके। अब नये साल में प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट अपना 71 वां शतक पूरा करेंगे। विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 18 रन बनाकर आउट हुए। यह उनकी साल 2021 की अंतिम पारी थी। इसमें वह 35 रन बना पाये थे। 70वें शतक के बाद से उन्हें 60 बार बल्लेबाजी का अवसर मिला है पर वह नाकाम रहे हैं।

वह 70 वें शतक के बाद से 14 टेस्ट की 25 पारियों में बल्लेबाजी करने उतरे। जिसमें उन्होंने 26 की औसत से 652 रन बनाए हैं। इसमें पांच अर्धशतक हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 74 रन रही है। इस दौरान उन्होंने एकदिवसीय की 15 पारियों में 43 की औसत से 649 रन बनाए हैं। जिसमें 8 अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ 89 बेस्ट स्कोर रहा। वहीं टी20 की 20 पारियों में 60 की औसत से 777 रन बनाए हैं। कोहली करियर में सिर्फ तीसरी बार एक साल में कोई भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इसके अलावा वह अपने पदार्पण वर्ष 2008 में भी शतक नहीं लगा पाये थे। साल 2017 और 2018 में सबसे अधिक 11-11 शतक लगाए थे।

कोरोना के कारण नहीं हो पाया एनबीए मैच

मियामी (ईएमएस)। अमेरिकी बास्केटबॉल संघ (एनबीए) ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते हुए मामलों और खिलाड़ियों की चोटों को देखते हुए मियामी और सेन अंतोनियो के बीच होने वाला मैच स्थगित कर दिया है। इसका कारण यह है कि इस मैच के लिए आठ खिलाड़ी भी उपलब्ध नहीं थे। कोरोना के कारण यह इस सत्र में स्थगित होने वाला दसवां मैच बन गया है। अब ये मैच कब खेले जाएंगे ये अभी तक तय नहीं हुआ है। एनबीए की करीब हर टीम में कोरोना संक्रमण के मामले पाये गये हैं। इस कारण अब तक करीब 119 खिलाड़ी पृथकवास पर गये हैं हालांकि लीग ने पॉजिटिव पाये जाने वाले खिलाड़ियों के लिये पृथकवास का समय घटाकर पांच दिन कर दिया है।

अगले साल टी20 विश्व कप के बाद खेल को अलविदा कहेंगे वेड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत दिलाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के बाद खेल को अलविदा कह सकते हैं। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद भी वेड का नाम एशेज सीरीज के लिए शामिल नहीं है। वेड का कहना है कि उनका लक्ष्य अब अगले साल घरेलू मैदान में होने वाले टी20 विश्व कप में अपने टीम को खिताब बरकरार रखने में सहायता करना है। वेड ने कहा, उम्मीद करता हूं कि उस विश्व कप में खेलने का अवसर मिलेगा, खिताब का बचाव करेंगे और इसके बाद मैं संन्यास ले सकता हूं। निश्चित तौर पर उसके बाद मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलूंगा। अब यही मेरा लक्ष्य है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने यह भी कहा कि कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में मांसपेशियों में खिंचाव के साथ भी खेले थे। उन्हें खिताबी मुकाबले से पहले अभ्यास के दौरान यह समस्या हुई थी। उन्होंने कहा कि मैच से पहले की रात मैं थोड़ा चिंतित था। अगर मैं सुबह उठता और बल्लेबाजी नहीं कर पाता तो मैं नहीं खेलता। मैं चिंतित था कि अगर हमें पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी। मुझे आक्रामक होकर खेलना पड़ा और तब अगर चोट बढ़ गई तो मैं विकेटकीपिंग नहीं कर पाऊंगा और इससे टीम को काफी नुकसान होगा। कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि थोड़ा डर था कि वेड फाइनल में नहीं खेल पाएगा।

कनेरिया ने शमी की जमकर तारीफ की

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट दानिश कनेरिया ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मो शमी की सराहना करते हुए कहा है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास शमी की गेंदों का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकेश राहुल ने शतक लगाकर भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दी लेकिन गेंदबाजी के कारण ही भारतीय टीम पहले मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम पर हावी हुई।

कनेरिया ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों विशेषकर शमी ने जिस तरीके से पहले ही ओवर से गेंदबाजी की है। उससे टीम को हालात बदलने में सफलता मिली। किसी भी गेंदबाज के लिए दक्षिण अफ्रीका में जाते ही पहले ही मैच से लाइन-लेंथ पकड़ना आसान नहीं होता है पर शमी ने ऐसा किया और इसमें जसप्रीत बुमराह ने भी उनका अच्छा साथ दिया। शमी ने इस मैच की पहली पारी में 5 विकेट लेने के साथ ही अपने टेस्ट करियर के 200 विकेट भी पूरे किये हैं। कनेरिया पाक की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। वहीं एशेज सीरीज को लेकर इस दिग्गज स्पिनर ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है।

रिजर्व बैंक ने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य हासिल करने को लेकर जताई आशंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के बैंकों के संचालन के शीर्ष संस्थान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने को लेकर आशंका जताई है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 6.8 प्रतिशत तक सीमित रखने का बजट लक्ष्य रखा है, लेकिन केंद्रीय बैंक का मानना है कि यह ऊपर जा सकता है। आरबीआई ने शुद्ध रूप से कर राजस्व अब तक 83 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.53 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के बावजूद 3.73 लाख करोड़ रुपए की दूसरे अनुपूरक अनुदान मांग को देखते हुए यह अंदेशा जताया है। सरकार ने 2021-22 के बजट में 34.83 लाख करोड़ रुपए के कुल व्यय का निर्धारण किया है। यह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 6.8 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक ने जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा कि सरकार का शुद्ध कर राजस्व अक्टूबर, 2020 के 5,75,697 करोड़ रुपए से बढ़कर 2021 में अक्टूबर तक 10,53,135 करोड़ रुपए पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 82.93 प्रतिशत अधिक है। वहीं कुल व्यय इस दौरान केवल 9.95 प्रतिशत बढ़ा है। बुनियादी ढांचे की अगुवाई में कुल व्यय अक्टूबर, 2021 तक 18,26,725 करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल इसी अवधि में 16,61,454 करोड़ रुपए था।

रिपोर्ट के अनुसार, कुल कर राजस्व इस साल अक्टूबर तक 55.79 प्रतिशत बढ़कर 13,64,101 करोड़ रुपए रहा जो अक्टूबर, 2020 में 8,75,591 करोड़ रुपए था। अक्टूबर तक सरकार के सभी घाटे में (सकल राजकोषीय घाटा, प्राथमिक घाटा और राजस्व घाटा) सालाना आधार के साथ-साथ महामारी-पूर्व स्तर से सुधार के संकेत हैं। मजबूत वृद्धि के साथ सकल कर राजस्व बेहतर है। रिपोर्ट में आगाह करते हुए कहा गया है, 'लेकिन दिसंबर में पेश 3.73 लाख करोड़ रुपए की दूसरे अनुपूरक अनुदान मांग को देखते हुए राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.8 प्रतिशत पर रखने के लक्ष्य पर दबाव पड़ सकता है।' राजकोषीय घाटा अक्टूबर, 2021 में 5,47,026 करोड़ रुपए रहा, जो लक्ष्य का 42.61 प्रतिशत है। यह पिछले साल अक्टूबर में 9,53,154 करोड़ रुपए था। वहीं राजस्व घाटा 3,13,478 करोड़ रुपए रहा, जो लक्ष्य का 59.40 प्रतिशत है। जबकि पिछले साल यह 7,72,196 करोड़ रुपए था। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि सकल सरकारी उधारी का आकार उस गति से आगे बढ़ा है जिससे यह पता चलता है कि बजट अनुमानों का पालन किया जाएगा, लेकिन सरकार की देनदारी दायित्व में आगे महत्वपूर्ण वृद्धि के संकेत हैं। इसका मतलब है कि राजकोषीय मजबूती के बावजूद सकल उधारी ऊंची रह सकती है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 3.73 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च की मंजूरी को लेकर इस महीने संसद में दूसरा अनुपूरक अनुदान मांग पेश की।

वर्चुअल करेंसी के भविष्य पर तलवार, भारतीय युवा दिख रहे करेंसी में झुकाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी वर्चुअल करेंसी (किप्टोकरेंसी) के प्रति युवा पीढ़ी का झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। भारत में मुद्राओं के भविष्य पर अनिश्चितता की तलवार लटक हुई हैं,लेकिन युवाओं में इसकी जरा भी परवाह नहीं दिख रही है। दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी का प्रसार 'चौथी औद्योगिक क्रांति मानी जा रही है। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार कह रहे हैं कि क्रिप्टोकरेंसी मुख्य धारा का हिस्सा बनती हैं तब इसके गंभीर परिणाम' हो सकते हैं। आरबीआई चीन की तरह इन मुद्राओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना चाहता है।इन्हें निवेश का जरिया तक मानने को तैयार नहीं है। संसद की वेबसाइट पर क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक मुद्रा डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक सूचीबद्ध जरूर किया गया था मगर शीतकालीन सत्र में इस पेश नहीं किया।भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले सबसे अधिक लोग हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन मुद्राओं को लेकर अनिश्चितता बरकरार रहने के बावजूद भारत में इसकी लोकप्रियता कम होती नहीं दिख रही है।

जानकार कहते हैं,क्रिप्टोकरेंसी के संबंध में आरबीआई की चिंता वाजिब है।अगर आभासी मुद्राओं को सामानांतर मुद्रा के तौर पर मान्यता दी जाती है,तब देश में भुगतान प्रणाली पर प्रतिकूल असर हो सकता है।' दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण नवंबर में 3 लाख करोड़ डॉलर से अधिक हो गया था। भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन, इथेरियम, लाइटकॉइन आदि आभासी मुद्राओं में 1,000 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश किए हैं। इनमें खुदरा निवेशकों की संख्या अधिक रही है। पिछले एक वर्ष में इनमें कई आभासी मुद्राओं से 100 प्रतिशत से भी अधिक प्रतिफल मिला है। आईटी उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नैसकॉम का अनुमान है कि देश में क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश मौजूदा 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 15.6 अरब डॉलर हो जाएगा। ब्रोकरचूजर पोर्टल के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी में 10 करोड़ भारतीयों ने निवेश किया है, जो दुनिया में सर्वाधिक संख्या है। भारत के बाद मामले में अमेरिका दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है।

सरकार ने जीएसटी रिटर्न भरने की नियत सीमा में की दो महीने की वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस)। केद्र सरकार ने मार्च-2021 में समाप्त होने जा रहे वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का वार्षिक रिटर्न भरने की नियत समय सीमा दो महीने बढ़ा दी है। अब कारोबारी 28 फरवरी तक रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड(सीबीआईसी) ने बुधवार देर रात को ट्वीट करके यह जानकारी दी। इसमें बताया गया, 'वित्त वर्ष 2020-21 के लिए फॉर्म जीएसटीआर-9 में वार्षिक रिटर्न भरने और फॉर्म जीएसटीआर-9सी में स्व-प्रमाणित समाधान विवरण प्रस्तुत करने की नियत तिथि 31 दिसंबर 2021 से बढ़ाकर 28 फरवरी 2022 कर दी गई है।' जीएसटीआर-9 वार्षिक रिटर्न होता है जो जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं को प्रति वर्ष दाखिल करना होता है।

डूबे कर्ज को बैंकों ने बही-खाते से हटाया, फिर कहा- कम हो गया एनपीए : रिजर्व बैंक रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक ताजा रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। कोरोना के बुरे प्रभावों के बाद भी बैंकों की एसेट क्वालिटी सुधर गई है। यह बैंकों के ग्रॉस एनपीए में लगातार कमी आने से हुआ है। हालांकि जब आंकड़ों पर गौर करें तो कुछ अलग बात निकलकर सामने आती है। एसेट क्वालिटी में आए इस सुधार का कारण फंसे लोन की बढ़ी रिकवरी नहीं बल्कि इन्हें बही-खाते से पूरी तरह निकाल देना (राइट-ऑफ) है। इस सप्ताह जारी रिजर्व बैंक की वित्त वर्ष 2020-21 (एफवाई 21) की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, ग्रॉस एनपीए का अनुपात इधर कुछ सालों में लगातार कम हुआ है। यह अनुपात वित्त वर्ष 2019-20 (एफवाई20) के अंत में यानी मार्च 2020 में 8.2 फीसदी था, जो साल भर बाद मार्च 2021 में कम होकर 7.3 फीसदी पर आ गया। यह सितंबर 2021 तक और कम होकर 6.9 फीसदी पर आ गया। बैंकों के ग्रॉस एनपीए में 2018 के बाद लगातार कमी आ रही है। यह करीब छह साल के सबसे निचले स्तर पर आ चुका है।

आरबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रॉस एनपीए में कमी आने का मुख्य कारण लोन को राइट-ऑफ किया जाना है। एब्सॉल्यूट टर्म में देखें तो ग्रॉस एनपीए मार्च 2020 में 8,99,803 करोड़ रुपए था, जो मार्च 2021 में कम होकर 8,37,771 करोड़ रुपए पर आ गया। इस दौरान एनपीए में 4 लाख करोड़ की भारी-भरकम तेजी आई, लेकिन दूसरी ओर बैंकों ने रिकॉर्ड 2.08 लाख करोड़ रुपए के फंसे कर्ज को राइट-ऑफ भी किया। 2020-21 के दौरान राइट ऑफ किए गए लोन में टॉप5 सरकारी बैंकों का हिस्सा ही 89,686 करोड़ रुपए रहा। इनमें एसबीआई ने 34,402 करोड़ रुपये, यूनियन बैंक ने 16,983 करोड़ रुपए, पंजाब नेशनल बैंक ने 15,877 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 14,782 करोड़ रुपए के फंसे कर्ज को राइट-ऑफ किया। राइट ऑफ किए गए कुल लोन में सरकारी बैंकों (पीएसबी) का हिस्सा करीब 75 फीसदी रहा। पिछले 10 साल का आंकड़ा देखें तो राइट-ऑफ किए गए कर्ज 10.72 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाते हैं। आरबीआई ने यह जानकारी इसी साल एक आरटीआई के जवाब में दी थी।

किसी कर्ज को राइट-ऑफ करने का मतलब होता है कि बैंक उसे वसूल करने की हरसंभव कोशिश कर चुके हैं और अब रिकवरी की संभावनाएं न के बराबर हैं। जब ऐसे कर्ज को राइट-ऑफ कर दिया जाता है तो वह बैंक के बट्टे खाते में चला जाता है यानी हिसाब-किताब से बाहर हो जाता है। इससे बैंकों का ग्रॉस-एनपीए वाला हिस्सा बही-खाते में कम तो हो जाता है, लेकिन कर्ज डूबने में कोई कमी नहीं आती है। कायदे बताते हैं कि किसी लोन को राइट-ऑफ कर दिए जाने का मतलब यह नहीं होता कि उसकी वसूली के प्रयास नहीं किए जाएंगे, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि ऐसे प्रयास खोजने पर भी नहीं मिल पाते हैं।

नए साल में एटीएम से लिमिट से अधिक रकम निकालने पर लगेगा अतिरिक्त चार्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। नए साल का सभी को बेसब्री से इंतजार है। नया साल भी महंगाई के साथ ही शुरू हो रहा है। अगले महीने यानी साल 2022 से एटीएम से नगदी निकालना महंगा पड़ेगा। जी प्र्छह्ष्ठ अब ग्राहक के एटीएम से तय लिमिट से ज्यादा बार पैसे निकालने के बाद बैंक चार्जेज लगा सकते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के दिशानिर्देशों के अनुसार एक्सिस बैंक या अन्य बैंक के एटीएम में मुफ्त सीमा से ऊपर का फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन करने पर 21 रुपए और जीएसटी देना होगा। ये संशोधित दरें 1 जनवरी, 2022 से प्रभावी होंगी।

अगले महीने से ग्राहकों को मुफ्त लेनदेन की मासिक सीमा से अधिक होने पर 20 रुपए के जगह 21 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन पर देने होंगे। आरबीआई ने कहा था कि ज्यादा इंटरचेंज चार्ज और जनरल कॉस्ट बढ़ने के कारण ट्रांजेक्शन पर चार्ज बढ़ाकर 21 रुपए करने की इजाजत दी है। ग्राहकों अपने स्वयं के बैंक एटीएम से हर महीने 5 मुफ्त लेनदेन (फाइनेंशियल और नॉन फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन) कर पाएंगे। ये वे मेट्रो शहरों में अन्य बैंक के एटीएम से तीन और गैर मेट्रो केंद्रों में पांच मुफ्त लेनदेन भी कर सकेंगे। इसके अलावा आरबीआई ने बैंकों को वित्तीय लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन इंटरचेंज शुल्क 15 रुपए से बढ़ाकर 17 रुपए और सभी केंद्रों में गैर वित्तीय लेनदेन के लिए 5 रुपए से 6 रुपए करने की इजाजत दी है।

इसके अलावा 1 जनवरी से डेबिट और क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने का तरीका बदल जाएगा। दरअसल, ऑनलाइन पेमेंट को और ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों में बदलाव किया है। अब ऑनलाइन पेमेंट करते समय आपको 16 डिजिट वाले डेबिट या क्रेडिट कार्ड नंबर समेत कार्ड की पूरी डिटेल्स भरनी होंगी। यानी अब ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल पेमेंट के दौरान मर्चेंट वेबसाइट या ऐप आपके कार्ड की डिटेल स्टोर नहीं कर सकते। जो पहले से सेव जानकारी होगी, वह हटा दी जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनियां भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और मारुति जैसे शेयरों में गिरावट से आई है। इसके अलावा कोरोना के नये वैरिएंट ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए भी निवेशकों ने खरीददारी में सतर्कता बरती जिससे भी बाजार दबाव में आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.17 अंक करीब 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,794.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 9.65 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी के घाटे से 17,203.95 अंक पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा दो फीसदी की गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में रही। इसके अलावा टाटा स्टील, मारुति सुजूकी, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों को भी नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, टाइटन, विप्रो और डा. रेड्डीज के शेयर ऊपर आये हैं।

इससे पहले आज सुबह भी बाजार गिरावट के साथ खुला और उसके बाद दिन भर यही माहौल रहा। वहीं बुधवार को मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया था। कमजोर कारोबार के बीच बाजार में आखिर घंटे में बिकवाली देखने को मिली जिसके चलते सेसेंक्स-निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए थे।

ओमिक्रॉन बड़ी आबादी में फैलता, लेकिन रोग 'कम गंभीर प्रतीत होता

लंदन (ईएमएस)। तेजी से फैलने वाला ओमिक्रॉन वैरिएंट वहीं बीमारी नहीं है,जो हम एक साल पहले देख रहे थे'। साथ ही ब्रिटेन में उच्च कोविड मृत्यु दर अब इतिहास बन चुका है।यह दावा एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने किया है। जो सरकार के जीवन विज्ञान सलाहकार भी हैं,उन्होंने कहा कि हालांकि हाल के हफ्तों में अस्पताल में भर्ती होने वाले मामलों में वृद्धि हुई है, क्योंकि ओमिक्रॉन बड़ी आबादी में फैलता है। हालांकि उन्होंने कहा है कि यह रोग 'कम गंभीर प्रतीत होता है और कई लोग अस्पताल में अपेक्षाकृत कम समय बिताते हैं'। उन्होंने कहा कि इसमें कम रोगियों को उच्च प्रवाह वाली ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है और ठहरने (अस्पताल में) की औसत अवधि तीन दिनों तक कम हो जाती है।

एक साल पहले हमने जो भयानक दश्य देखे थे, उनमें गहन देखभाल इकाइयां (आईसीयू) भरी हुई थीं, बहुत से लोग समय से पहले मर रहे थे, जो अब इतिहास बन चुका है और मुझे लगता है कि हमें आश्वस्त होना चाहिए कि यह जारी रहने की संभावना है।ठ

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई वैज्ञानिकों ने नए साल की पूर्व संध्या से पहले इंग्लैंड में आगे कोविड प्रतिबंध नहीं लगाने के सरकार के फैसले की आलोचना की हैं। कुछ ने इस वैज्ञानिक सलाह और कानून के बीच सबसे बड़ा फासला' बताया है। उन्होंने कहा है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट बेशक से हल्का प्रतीत हो रहा है, मगर साथ ही यह चिंताजनक भी है, क्योंकि यह अत्यधिक तेजी से फैलता है, जिसका अर्थ है कि अस्पताल में मरीजों की संख्या और मौतें बिना किसी हस्तक्षेप के तेजी से बढ़ सकती हैं। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि जब वृद्ध लोगों में संक्रमण की दर बढ़ने लगेगी तो क्या होगा। क्रिसमस पर हमारे बीच बहुत अधिक इंटरजनरेशनल मिश्रण रहा है, इसलिए हम सभी अभी भी यह देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि क्या हम गंभीर ओमिक्रॉन से संबंधित बीमारी के साथ अस्पताल में आने वाले रोगियों की संख्या के मामले में महत्वपूर्ण रूप से संख्या में वृद्धि देखने जा रहे हैं?

कोरोना के कारण चीन में लगा सख्त लाकडाउन, भूख के कारण मरने की हालात में पहुंचे लोग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच देश के उत्तरी क्षेत्र में लॉकडाउन लगा दिया गया है। यहां लाखों लोगों को घर में रहने के आदेश दिए गए हैं।दरअसल चीन में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और मौजूदा आंकड़े 21 महीने के उच्चमस्तर पर पहुंच गए हैं। चीन की सरकार हालात पर नियंत्रण पाने के लिए जीरो कोविड रणनीति पर काम कर रही है।इसके तहत अन्य देशों से जुड़ी सीमाओं पर प्रतिबंध, क्वारंटाइन की अवधि में बढ़ोतरी और लक्षित क्षेत्रों में लॉकडाउन के उपाय शामिल हैं।बीजिंग में अगले साल फरवरी में विंटर ओलंपिक होने वाले हैं, इसकारण चीन कोरोना महामारी से जुड़े हालात पर जल्द से जल्द नियंत्रण पाना चाहता है।हालांकि कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यहां मंगलवार को कोरोना के 209 मामले सामने आए, जो कि मार्च 2020 के बाद एक दिन में आने वाले सबसे ज्यादा केस हैं।

लेकिन यूरोप और अमेरिका की तुलना में चीन में कोरोना संक्रमण के मामले कम हैं। दरअसल चीन में जल्दी ही कोविड-19 की रोकथाम के लिए सख्त प्रतिबंध लागू कर दिए गए थे। 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले सियान शहर में कुछ सप्ताह पहले ही संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया था। खास बात यह है कि सियान में भी वुहान जैसे सख्त प्रतिबंध लागू किए गए हैं। बता दें कि वुहान ही चीन का वह शहर है जहां साल 2019 के आखिरी में कोरोना की पहचान हुई थी। सियान में ड्राइविंग पर बैन लगा हुआ है और 3 दिन में घर के किसी एक व्यक्ति को ग्रॉसरी लाने के लिए छूट दी गई है।शहर के कई लोगों ने सोशल मीडिया पर खाने और जरूरी सामानों के लिए गुहार लगाई है। इनमें से एक व्यक्ति ने वेबसाइट पर लिखा कि, मैं भूख से मरने वाला हूं।यहां खाने के लिए कुछ नहीं है और घर से बाहर जाने नहीं दिया जा रहा है..कृपया मदद कीजिए।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने ओर चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 98 रुपये नीचे आकर 46,688 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,786 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत भी 699 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,024 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,723 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,799 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 22.60 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

सनकी तानाशाह किम जोंग उन हुए दुबले, भौचक्के हुए लोग

प्योंगयांग (ईएमएस)। विश्व में सनकी और क्रूर तानाशाहों में शामिल उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन की ताजा तस्वीर में किम जोंग उन इतने दुबले नजर आ रहे हैं कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो गया। यह तस्वीर उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल कमिटी के बैठक में ली गई थी। इससे पहले किम जोंग अपने वजन को घटा चुके हैं जिसको लेकर दुनियाभर में अटकलों का बाजार गरम हो गया था। जीवन के 37 बसंत देख चुके किम जोंग उन का वजन अक्सर घटता-बढ़ता रहता है। इस महीने चाचा की मौत की बाद पहली बार तानाशाह किम दुनिया के सामने आया है। वहीं उत्तर कोरिया ने देश के नेता किम जोंग उन के सेना के सर्वोच्च कमांडर बनने की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर गुरुवार को अपने 12 लाख सैनिकों से शीर्ष नेता की ताकत बनने और जान देकर भी उनकी रक्षा करने का आह्वान किया।

यह वर्षगांठ ऐसे समय पर मनाई जा रही है जब उत्तर कोरिया कई दिनों के लिए राजनीतिक सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है जिसमें अधिकारी इस बात पर चर्चा करेंगे कि महामारी और अमेरिका के साथ कूटनीतिक बातचीत लंबित होने की वजह से पैदा हुई कठिनाइयों से कैसे निपटा जाए।

31 दिसंबर तक ईपीएफओ निवेशक आधार से लिंक हो, नहीं तो बंद हो जाएगा खाता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कमर्चारी भविष्य निधि खाता धारकों के लो अपने यूएएन को आधार से लिंक कराने के लिए 31 दिसंबर 2021 आखिरी तारीख है। ईपीएफओ निवेशकों को आधार लिंक करवाना जरूरी हो गया है। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आने वाले दिनों में परेशानी हो सकती है और पीएफ खाता बंद हो सकता है। आप इन आसान स्टेप्स को फॉलो कर पीएफ खाते को आधार से लिंक कर सकते हैं।

सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 142 के तहत पीएफ खाते को आधार से लिंक करना अनिवार्य है। अगर आपका आधार आपके यूएएन से लिंक नहीं होगा तो आपका नियोक्ता आपके ईपीएफ खाते में मासिक पीएफ योगदान जमा नहीं कर पाएगा। इसके अलावा, जब तक लिंकिंग नहीं हो जाती, आप अपने ईपीएफ कोष से ऋण लेने या निकासी करने में सक्षम नहीं होंगे।

नए साल-2022 में बढ़ेगा एआई, मशीन लर्निंग का ट्रेंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। जाते हुए इस साल में फिनटेक दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित लेंडिंग का जोर रहा। पहले की जटिल प्रक्रियाओं के बजाय अब फिनटेक कंपनियां उपभोक्ताओं और कंपनियों को तुरंत कर्ज दे रही हैं। कर्ज लेना कभी एक लंबी प्रक्रिया हुआ करता था लेकिन तकनीक ने इसे आसान कर दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस की मदद से अब लेंडिंग की प्रक्रिया सिर्फ कुछ घंटों में हो रही है। लैंडिंग, अंडरराइटिंग, वितरण जैसी सभी प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मदद कर रहा है। यही कारण है कि लेंडिंग और लोन मैनेजमेंट से जुड़ी अधिकतर कंपनियां एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े विशेषज्ञ की भर्ती कर रही है। ऐसी ही एक कंपनी है रेकर क्लब जो कंपनियों को कैपिटल मुहैया कराती है वो भी बिना किसी डेट या इक्विटी डाइल्यूशन के। कंपनी के फाउंडर्स आईआईटी, आईआईएम जैसी संस्थाओं से पढ़े हैं और अपनी तकनीकी योग्यता का इस्तेमाल लेंडिंग की प्रक्रिया को आसान बनाने में कर रहे हैं।

कंपनियों के लिए ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया सिर्फ कुछ मिनटों में पूरी कर ली जाती है। केवाईसी, वित्तीय जानकारियां और रेकरिंग रेवेन्यू जैसी जानकारियां देते हीं सिस्टम कंपनी की वित्तीय सेहत का आकलन कर लेता है। मशीन लर्निंग आधारित रेटिंग इंजन तुरंत कंपनी के एनुअल रेकरिंग रेवेन्यू के आधार पर उसके फाइनेंशियल सीमा का आकलन करती है। यानी कंपनियां सिर्फ एक क्लिक से कैपिटल ले सकती हैं। एआई बिना क्रेडिट हिस्ट्री वाले क्लाइन्ट्स के भी क्रेडिट योग्यता को पहचानने में मदद करती है। 2021 में एआई और ब्लॉकचेन आधारित लेंडिंग प्लैटफॉर्म्स में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। अनुमान के मुताबिक यह ट्रेंड आने वाले दिनों में और बढ़ेगा।

चंडीगढ़ के नतीजे से पूरे पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी की लहरः सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (ईएमएस)। चंडीगढ़ नगर निगम के नतीजे से पूरे पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी की लहर दौड़ गई है और अब पंजाब का चुनाव जीतने के बाद चंडीगढ़ के अंदर शपथ ग्रहण करने के लिए आएंगे। हमें चंडीगढ़ में इतना अच्छा काम करना है कि चंडीगढ़ को देख कर बाकी देश की जनता भी आम आदमी पार्टी को वोट दे। अगर किसी वोटर ने कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल को वोट दिया है, तो उसका ज्यादा काम करो, ताकि अगली बार हमें वोट दे।'आप' संयोजक एंव दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में आज विजय यात्रा के दौरान यह बातें कहीं। इस दौरान 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने सभी पार्षदों को चंडीगढ़ के लोगों की तन-मन और धन से सेवा करने की शपथ भी दिलाई। 'आप' के सभी पार्षदों ने शपथ ली कि मैं कभी भी अपने चंडीगढ़ परिवार से और आम आदमी पार्टी से गद्दारी नहीं करूंगा। अगर ऐसा करूं, तो चंडीगढ़ के लोग मेरे को दोबारा वोट न देना। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में पहली बार उतरी थी, जिसमें सबसे अधिक 'आप' के 14 पार्षद चुने गए हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचे और 'विजय यात्रा' निकाल कर चंडीगढ़ नगर निगम में आम आदमी पार्टी को सबसे अधिक 14 वार्ड में जीत दिलाने के लिए चंडीगढ़ के निवासियों का धन्यवाद किए। यह विजय यात्रा चंड़ीगढ़ के अरोमा होटल से सेक्टर-22-23 रेड लाइट तक निकाली गई। विजय यात्रा को संबोधित करते हुए 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चंडीगढ़ वालों ने कमाल कर दिया। आपने चमत्कार कर दिया, आपने पूरे देश का दिल जीत लिया। जब से चंडीगढ़ के नतीजे आए हैं, सारे देश में लोग कह रहे हैं कि हो तो सकता है। इनको हराया तो जा सकता है। इन दोनों पार्टियों को पहले दिल्ली वालों ने हराया और अब चंडीगढ़ वालों ने इन दोनों पार्टियों को हरा दिया। आज मैं पूरे चंडीगढ़ के एक-एक नागरिक का शुक्रिया यदा करने के लिए आया हूं कि आपने जो हमारे उपर भरोसा किया है, इस भरोसे को और मजबूत करेंगे और हम लोग इस भरोसे को कभी भी टूटने नहीं देंगे। आपने जो प्यार और मोहब्बत दिया है, यह हर दिन दोगुना-चौगुना होता जाएगा। हम इस प्यार को कम नहीं होने देंगे और आपके विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे।

- जैसे दिल्ली को बदला, अब चंडीगढ़ को भी बदलना है

'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारे जिन पार्षदों को यहां की जनता ने चुना है, उन सभी से मैं कहना चाहता हूं कि यह आसान बात नहीं है। यह दोनों पार्टियां बहुत पुरानी पार्टियां हैं। कांग्रेस सवा सौ साल पुरानी पार्टी है और भाजपा भी बहुत पुरानी पार्टी है। इनके जितने बड़े-बड़े नेता थे। चंडीगढ़ की जनता ने अगर उन सारे बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हराया है और आपके उपर विश्वास किया है, तो अब आपकी रात-दिन, तन-मन-धन से 24 घंटे चंडीगढ़ के लोगों की सेवा करना, आपकी जिम्मेदारी बनती है। आज चंडीगढ़ ने दिल्ली के काम देख कर वोट दिया है। चंडीगढ़ के लोगों ने देखा कि दिल्ली में बड़ा अच्छा काम हो रहा है। दिल्ली में इन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। दिल्ली में इन्होंने स्कूल, अस्पताल, बिजली और पानी ठीक कर दिया। इसीलिए इनको चंडीगढ़ में मौका दो। दिल्ली हमें पहला राज्य मिला था और चंडीगढ़ हमें पहली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन मिली है। जैसे- दिल्ली को देख-देख कर बाकी और जगह वोट मिल रहा है, अब चंडीगढ़ में हमें इतना अच्छा काम करना है कि चंडीगढ़ को देख-देख कर बाकी देश की जनता हम लोगों को वोट दे।

खदान हादसे में 31 शव निकाले, तलाशी अभियान जारी

काहिरा (ईएमएस)। सूडान के पश्चिमी कोर्डोफान प्रांत में पिछले सप्ताह की शुरुआत में सोने की खदान धंसने से हुए हादसे में बचावकर्मियों ने घटनास्थल से 31 शव निकाले हैं।देश की सरकारी खनन कंपनी ने कहा कि श्रमिक, ग्रामीण और बचावकर्मी उम्मीद में दरसाया खदान में अभियान चला रहे हैं ताकि हादसे में बचे किसी व्यक्ति या शवों को निकाला जा सके। खदान देश की राजधानी खार्तुम से करीब 700 किलोमीटर दूर फुजा गांव में है। कंपनी ने कहा था कि खदान धंसने से हुए हादसे में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई।

भाजपा को कर्नाटक में हुए स्थानीय निकाय के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा

बेंगलुरु (ईएमएस)। भाजपा को कर्नाटक में हुए स्थानीय निकाय के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। राज्य में सत्तारुढ़ भाजपा को कर्नाटक शहरी निकाय चुनावों में 437 सीटें मिली हैं वहीं कांग्रेस के खाते में 498 सीटें गई हैं। कांग्रेस निकाय चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, जिसके लिए 27 दिसंबर को मतदान हुआ था और आज परिणाम घोषित किए गए। 1184 वार्डों वाले कुल 58 शहरी स्थानीय निकायों में मतदान हुआ था।

कर्नाटक में 58 शहरी निकाय की 1185 वार्डों पर 27 दिसंबर को मतदान कराए गए थे। कोरोना महामारी की वजह से इन चुनावों में करीब तीन साल की देरी हुई है। कांग्रेस की ओर भाजपा की हार पर निशाना साधा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के लिए बहुत बड़ी जीत है। सत्तारूढ़ भाजपा की तुलना में कांग्रेस का अधिक सीटें जीतना उनके निराशाजनक शासन का प्रतिबिंब है। यह इस बात का संकेत है कि हम आम चुनावों में क्या उम्मीद कर सकते हैं।

राज्य के जिन 1184 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से कांग्रेस ने 498 सीटें, बीजेपी को 437, जनता दल सेकुलर (जेडी-एस) ने 45 और अन्य ने 204 पर जीत हासिल की। वोट प्रतिशत के आधार पर भी कांग्रेस अव्वल रही। कांग्रेस को चुनाव में 42.06 फीसदी, बीजेपी को 36.90 फीसदी, जबकि जेडीएस को 3.8 फीसदी और अन्य को 17.22 फीसदी वोट मिले।

जबकि नगर पालिका परिषद के 166 वार्डों में से कांग्रेस को 61, भारतीय जनता पार्टी को 67, जनता दल-एस को 12 और अन्य को 26 सीटें मिली हैं। नगर परिषद के 441 वार्डों में से कांग्रेस को 201, भारतीय जनता पार्टी को 176 और जेडीएस को 21 सीटें हासिल हुई हैं। पट्टाना पंचायत के 588 वार्डों में से में कांग्रेस को 236, भारतीय जनता पार्टी को 194 और जेडी-एस को 12 जबकि अन्य ने 135 वार्डों में जीत हासिल की।

चीनी एक साल में 2 करोड़ कुत्तों का सूप डकार जाते हैं

-कसाई क्रूरतापूर्वक जिंदा ही उबाल देते हैं कुत्तों को

पेइचिंग (ईएमएस)। चीन ने पूरी दुनिया को कोरोना के दंश दिया इस अवधारणा को झुठलाया नहीं जा सकता। ड्रैगन की क्रूरता से जुड़ी एक खबर लोगों के रोंगटे खड़े कर देगी। दुनिया में कोरोना का पहला मामला यहीं सामने आया था। पहले कहा गया कि यह वायरस चमगादड़ खाने से फैला है। इस थ्योरी ने चीन के मीट व्यापार को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया। यह बात सच है कि चीन एक ऐसा देश है जहां कई प्रतिबंधों के बाद भी चमगादड़ से लेकर कुत्ते के मांस का व्यापार धड़ल्ले से किया जाता है। मांस व्यापार के लिए कुत्तों के साथ बर्बरता का अब एक और मामला सामने आया है। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक संगठन ने मीट व्यापार के लिए बेचे गए कई कुत्तों को एक गोदाम से भयंकर गंदगी के बीच से रेक्स्यू किया है। इनमें एक गर्भवती कुतिया रूबी भी शामिल थी जिसके आठ पिल्लों ने कुपोषण के चलते एक के बाद एक करके दम तोड़ दिया। चीन में जानवरों के साथ क्रूरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मीट मार्केट में बेचने के लिए कसाई इन्हें जिंदा ही उबालने वाले थे।

इतना ही नहीं, कुत्तों को भागने से रोकने के लिए इनका एक पंजा काट दिया गया था। नोटूडॉगमीट नाम के संगठन ने कुत्तों का रेस्क्यू किया है और गर्भवती कुतिया की स्थिति की जानकारी दी है। लंदन की इस चैरिटी की सीईओ जूलिया डी कैडेट ने बताया कि रूबी के छोटे आकार और लंबे समय तक भूखे रहने के चलते उसे एक इमरजेंसी सीज़ेरियन की जरूरत थी। लेकिन जल्द ही बेचारी डिस्टोसिया से पीड़ित हो गई और फिर आठ पिल्लों की मां बन गई। उसका शरीर आठ पिल्लों को संभालने के लिए बहुत छोटा था। उन्होंने बताया कि जन्म के वक्त पिल्लों की स्थिति अच्छी नहीं थी। जैसे-जैसे दिन बीतते गए एक के बाद एक पिल्ला हमें छोड़कर चला गया। वे इसलिए मर गए क्योंकि उनकी गर्भवती मां को सही इलाज नहीं मिला और उसके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया। ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल का अनुमान है कि चीन में हर साल 1 से 2 करोड़ कुत्ते मारे जाते हैं। यहां एक व्यस्क कुत्ता सूप या स्टू में पकाने के लिए 100 पाउंड (करीब 10 हजार रुपए) में बेचा जाता है।

भारत के राफेल से भयभीत पाकिस्तान ने चीन से खरीदे 25 जे-10सी लड़ाकू विमान

-पाकिस्तान के एक सांसद इसकी क्षमता पर गंभीर सवालिया निशान लगा चुके हैं

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारतीय वायुसेना की ताकत और राफेल फाइटर जेट विमान से भयभीत पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने अपने ही सांसद का विरोध दरकिनार करते हुए चीन से 25 जे-10 लड़ाकू विमानों की एक पूरी स्क्वाड्रन खरीद ली है। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने इस चीनी विमान सौदे की जानकारी दी। शेख रशीद ने बताया कि जे-10सी का एक पूरा स्क्वाड्रन अगले साल 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस समारोह में हिस्सा लेगा। चीन का दावा है कि जे-10सी विमान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमानों में से एक है लेकिन खुद पाकिस्तान के एक सांसद इसकी क्षमता पर गंभीर सवालिया निशान लगा चुके हैं। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में आकर पाकिस्तान ने इस डील को मंजूरी दी है। चीन का जे-10सी लड़ाकू विमान हर तरह के मौसम में उड़ान भरने में सक्षम माना जाता है। चीन ने साल 2006 में इस लड़ाकू विमान को अपने बेडे में शामिल किया था। इतने सालों में यह सिंगल इंजन वाला विमान चीन की वायुसेना की रीढ़ बन चुका है। जापान के रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि चीन अभी 468 जे 10-सी विमान उड़ा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन का यह विमान अमेरिका के एफ-16 विमान की तरह ही है। पाकिस्तान के पास अमेरिका में बने एफ-16 श्रेणी के लड़ाकू विमानों का एक बेड़ा पहले से ही मौजूद है।

चीन ने जब इस विमान को शामिल करने ऐलान भी नहीं किया था, उस समय से ही पाकिस्तान इस विमान को खरीदना चाहता था। चीन के साथ पाकिस्तान की यह डील देश में विवादों में घिर चुकी है। पाकिस्तान के एक सीनेटर और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज गुट के नेता डॉक्टर अफनान उल्लाह खान ने जे 10 सी को खरीदने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि चीनी विमान को खरीदने का लॉजिक समझ नहीं आ रहा है। जे-10 पहले से ही पाकिस्तान की वायुसेना में मौजूद है और नया विमान उसका अपग्रेड वर्जन है। पाकिस्तानी सांसद अफनान ने लिखा कि देश के पास पहले ही इसी तरह का फाइटर जेट मौजूद है, जैसाकि जे-10 सी है। उनका इशारा अमेरिका निर्मित एफ-16 की ओर था जिसे 1980 के दशक से पाकिस्तानी वायुसेना ऑपरेट कर रही है। सांसद ने दलील दी कि चीनी विमान उतना अच्छा नहीं है जितना कि भारत का राफेल विमान है। उन्होंने जे 10 सी को खरीदने की बजाय इस पैसे को जेएफ-17, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और लंबे समय तक हवा में रहने में सक्षम ड्रोन विमान को बनाने में करने के लिए कहा।

चीन जिस जे-10 सी विमान को पाकिस्तान को देने जा रहा है, उसका वजन 18-20 टन है। यह अपने साथ 6.5 टन पेलोड अपने साथ ले जा सकता है। इसमें पीएल-15 मिसाइल लगी है जो 200 किमी तक मार कर सकती है। इसके अलावा कई हवा से जमीन पर हमला करने वाले बम भी इसमें मौजूद हैं। माना जाता है कि चीन ने यह फाइटर जेट इजरायल से मिली लावी विमान की तकनीक के आधार पर किया है। हालांकि दोनों ही इसका खंडन करते हैं। यह विमान पाकिस्तान के चीन निर्मित जेएफ-17 विमान से ज्यादा हथियार अपने साथ ले जा सकता है। चीन ने जेएफ-17 को अपनी वायुसेना में शामिल नहीं किया है। भारत में राफेल के आने के समय से ही पाकिस्तानी विश्लेषक दलील दे रहे हैं कि देश को नए लड़ाकू विमान की जरूरत है।

15 से 18 वर्षीय किशोरों के लिए 3 से 9 जनवरी के दौरान वैक्सीनेशन की खास ड्राइव

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में 15 से 18 वर्षीय किशोरों को कोरोना से सुरक्षित करने के लिए आगामी 3 जनवरी से 9 जनवरी 2022 के दौरान खास ड्राइव आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में आज स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव पंकजकुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य अग्र सचिव कैलाशनाथन, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार समेत वरिष्ठ सचिवों की उच्चस्तरीय बैठक में राज्य में कोरोना और ओमिक्रॉन की मौजूदा स्थिति को लेकर समीक्षा की गई। बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि राज्य में 15 से 18 वर्षीय किशोरों को कोरोना से सुरक्षित करने के लिए आगामी 3 जनवरी से 9 जनवरी 2022 के दौरान खास ड्राइव का आयोजन किया गया है। अभियान के तहत राज्यभर में करीब 35 लाख से अधिक किशोरों का टीकाकरण किया जाएगा। इसके लिए राज्यभर में 3 जनवरी 2022 से स्कूल और अन्य स्थलों पर जहां 15 से 18 आयु समूह के लाभार्थी हैं वहां टीकाकरण का अलग सेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 7 जनवरी को राज्य की सभी स्कूलों और अन्य संस्था में मेगा ड्राइव कर बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। स्कूल नहीं जानेवाले बच्चों के लिए 8 और 9 जनवरी 2022 को अनुकूल समय के दौरान टीकाकरण का आयोजन किया गया है। इसके लिए कोविन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 1 जनवरी 2022 से और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 3 जनवरी से शुरू होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आगामी 10 जनवरी 2022 से गुजरात समेत देशभर में हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक आयु के कोमोर्बिड लाभार्थियों को प्रिकोशन डोज दिया जाएगा। 60 वर्ष से अधिक आयु के कोमोर्बिड लाभार्थी अपने डॉक्टर की सलाह के मुताबिक प्रिकोशन डोज ले सकते हैं, जिसके लिए उन्हें किसी प्रकार का चिकित्सकीय प्रमाण पत्र पेश करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 624092 हेल्थ केयर वर्कर, 1344533 फ्रंट लाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब 1424600 कोमोर्बिड लाभार्थियों समेत कुल 33 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रिकोशन डोज दिया जाएगा। प्रिकोशन डोज उसे लाभार्थी को दिया जाएगा, जिसके दोनों डोज लेने के 9 महीने पूर्ण हो चुके हैं। प्रिकोशन डोज का उल्लेख कोविन पोर्टल से उपलब्ध कोविड वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में किया जाएगा। एलिजिबल लाभार्थी को प्रिकोशन डोज के लिए एसएमएस से भी जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि राज्य में कोविड-19 के अंतर्गत ओमिक्रॉन के जो मामले सामने आए हैं, उन सभी हलके लक्षण पाए गए हैं, परंतु उन्हें ऐहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए 1 दिसंबर 2021 से 30 दिसंबर 2021 तक 1896458 रेपिड और आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया है। वैक्सीनेशन के संदर्भ में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 29 दिसंबर 2021 तक राज्य में 4,68,06,170 (94 प्रतिशत) लाभार्थियों को पहला और 4,22,21,731 (एलिजिबल के 94 प्रतिशत और कुल आबादी के 85.6 प्रतिशत) लाभार्थियों को दूसरे डोज समेत कुल 8.90 करोड़ से अधिक नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

गुजरात के 8 शहरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध 7 जनवरी तक यथावत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए 8 शहरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंधों को 7 जनवरी 2022 तक बढ़ा दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने पत्रकार परिषद में बताया कि गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जूनागढ़ और जामनगर समेत 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध 7 जनवरी 2022 तक बढ़ाए गए हैं। राज्य के इन 8 शहरों में आगामी 7 जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू बरकरार रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में कोरोना की दूसरी लहर जैसी स्थिति का पुनरावर्तन न हो इसके लिए सरकार पूरी तैयार है। राज्य में फिलहाल 1.10 लाख बेड उपलब्ध हैं। 15000 आईसीयू बेड में से 7800 बेड पर वेन्टीलेटर की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही 500 से 1500 बेड का अस्पताल बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक दर्ज कुल 97 मामलों में से 41 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। गुजरात में 0.79 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट है, जो अन्य राज्यों के मुकाबले काफी कम है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य में अब भी 90 लाख लोग ऐसे हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ। ऐसे लोगों के लिए खास अभियान चलाया जाएगा। गुजरात सरकार की किसी कचहरी में दाखिल होने के लिए दोनों टीका लगवाना अनिवार्य है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुजरात वाइब्रेंट समिट अपने समय पर होगी। समिट में शामिल होनेवाले देश-विदेश के मेहमानों के लिए टीकाकरण और आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य है। सभी नियमों का पालन करते हुए वाइब्रेंट समिट आयोजित की जाएगी।

गुजरात में कोरोना के 573 नए मामले, 102 लोग हुए ठीक, 2 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में गुरुवार को कोरोना के 573 नए मामले सामने आए हैं, जिसमें आधे केस केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। आज 102 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया, वहीं 2 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज राज्य में ओमिक्रॉन का एक भी केस सामने नहीं आया। वहीं आज राज्यभर में 2.32 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 269 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं, वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 74, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 41, राजकोट में 18, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 16, कच्छ में 16, वलसाड में 15, आणंद में 14, भावनगर कॉर्पोरेशन में 10, राजकोट कॉर्पोरेशन में 10, अहमदाबाद में 9, महीसागर में 9, वडोदरा में 9, भरुच में 8, खेडा में 8, नवसारी 8, जामनगर कॉर्पोरेशन में 7, अमरेली में 5, मेहसाणा में 5, पंचमहल में 4, सूरत में 4, गांधीनगर में 3, मोरबी में 3, जूनागढ़ में 2, साबरकांठा में 2, देवभूमि द्वारका में 1, गिर सोमनाथ में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1 और सुरेन्द्रनगर में 1 समेत राज्यभर में 573 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। राजकोट कॉर्पोरेशन में 1 और अरवल्ली में 1 समेत दो मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10118 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में 102 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। अब तक राज्य में 818589 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ्य चुके हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के 2371 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 2360 लोग स्टेबल हैं और 11 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में ओमिक्रॉन का एक भी केस सामने नहीं आया। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत 232392 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 7 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 597 लोगों को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 7961 को पहला और 49341 नागरिकों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 29797 नागरिकों को कोविड की पहली और 144689 को दूसरी वैक्सीन दी गई। राज्य में अब तक कुल 8 करोड़ 92 लाख 47 हजार 220 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया।

मास्क नहीं पहनने वालों से २३ लाख रुपया जुर्माना वसूला

अहमदाबाद, ३० दिसंबर। अब गुजरात में कोरोना के दैनिक के मामलों में एक बार फिर भारी उछाल देखने को मिला है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में बीते २४ घंटों में कोरोना के ५४८ नए मामले आए है। अहमदाबाद में एक दिन में २६५ मामले सामने आने के बाद पुलिस एक्शन मोड में आ गई है।

पुलिस मास्क नहीं पहनने वाले लोगों से जुर्माना वसूल रही है। सिर्फ कुछ दिनों में पुलिस ने २३ लाख रुपया जुर्माना वसूला है। अहमदाबाद में नाइट कर्फ्यू लागू कराने के लिए पुलिस को अब अलर्ट कर दिया गया है।

पुलिस इस बात पर जोर दे रही है कि कोविड सोशल गाइड लाइन का पालन किया जाए। अहमदाबाद में २३ से २९ दिसंबर के बीच बिना मास्क घूमने वाले २३१७ लोगों से २३.७१ लाख रुपया जुर्माना वसूला है। इसके अलावा पिछले ५ दिनों में ४८५ केस नियमों का उल्लंघन करने वालों पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने नाइट कर्फ्यू का उल्लंघन के ३६१ मामला दर्ज कर ३७६ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अहमदाबाद पुलिस ने पिछले पांच दिनों में २३१७ लोगों को बिना मास्क के घूमते हुए पकड़ा है। इनके पास से २३.७१ लाख रुपये जुर्माना वसूला गया है। अहमदाबाद के पूर्वी हिस्से में लोग मास्क को गंभीरता से नहीं ले रहे है। बिना मास्क के इधर-उधर घूमने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उच्च पुलिस अधिकारियों ने सख्त आदेश जारी किया गया है।

10 दिनों बाद आप नेता-कार्यकर्ताओं को मिली जमानत, आज होंगे जेल से रिहा

अहमदाबाद (ईएमएस) हेड क्लर्क परीक्षा के पेपर लीक होने के मुद्दे को कर 10 दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रमुख समेत कार्यकर्ताओं ने गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में उत्पात मचाया था। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर महिलाओं समेत आप के 93 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। 28 महिलाओं और 65 पुरुष कार्यकर्ताओं को कोर्ट में पेश किया था। महिला कार्यकर्ताओं को शर्तिया जमानत पर रिहा कर दिया गया था, जबकि आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के अलावा ईसुदान गढवी, प्रवीण राम, हसमुख पटेल, निखिल सवाणी और शिवकुमार समेत 65 कार्यकर्ताओं में से 10 को पहले ही जमानत मिल चुकी है। गोपाल इटालिया समेत 55 कार्यकर्ताओं को आज कोर्ट से शर्तिया जमानत मिल गई है। 10 दिनों के बाद 55 कार्यकर्ताओं को जमानत मिली है, लेकिन आज कोई रिहा नहीं होगा। दरअसल कोर्ट का आदेश जेल प्रशासन तक नहीं पहुंचा, जिसकी वजह से शुक्रवार को आप नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा किए जाएंगे। बता दें कि पिछले 10 दिनों से जेल में आप नेता और कार्यकर्ताओं से केवल उनके परिवार के लोगों ने मुलाकात की, जबकि आम आदमी पार्टी के किसी बड़े नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करना मुनासिब नहीं समझा। हांलाकि आप नेता महेश सवाणी और पार्टी के प्रदेश प्रभारी गुलाबसिंह यादव स्वयं अनशन कर रहे थे। दोनों नेताओं ने बुधवार को ही अपना अनशन खत्म किया है। गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर महेश सवाणी और गुलाबसिंह यादव ने अनशन शुरू किया था, लेकिन सरकार ने आप नेताओं की मांग को कोई तवज्जो नहीं दी, आखिरकार बीते दिन दोनों अपना अनशन खत्म कर दिया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का आज राजकोट में रोड शो

राजकोट (ईएमएस) गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की नाराजगी के चर्चा के बीच शुक्रवार को राजकोट में करीब ढाई किलोमीटर लंबे रोड शो का आयोजन किया गया है। रोड शो में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत राज्य सरकार के पांच मंत्री समेत भाजपा नेता भी मौजूद रहेंगे। भूपेन्द्र पटेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निर्वाचन क्षेत्र में यह पहला सरकारी कार्यक्रम होगा। राजकोट एयरपोर्ट से रोड शो का प्रारंभ होगा और शहर की धर्मेन्द्रसिंह कॉलेज में खत्म होगा। रोड शो में आकर्षण की बात यह है कि इस रोड शो में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और राज्य सरकार के पांच मंत्री भी शामिल होंगे और इसका प्रारंभ गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील कराएंगे। राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे इस कार्यक्रम में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील एक ही मंच पर उपस्थित रहेंगे। रोड शो में भूपेन्द्र पटेल और विजय रूपाणी समेत राज्य सरकार के पांच मंत्री खुली जीप में सवार होंगे। इसके अलावा भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाइक के साथ घोडे पर सवार होंगे। इसके अलावा विन्टेज कार भी भाजपा के इस रोड शो का मुख्य आकर्षण होगी। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम में गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का कार्यक्रम अंतिम समय में तय किया गया है। मुख्यमंत्री के पद से विजय रूपाणी के इस्तीफा देने के बाद कार्यकर्ताओं में रूपाणी और सीआर पाटील के बीच नाराजगी चर्चा चल रही थी। हांलाकि सीआर पाटील ने राजकोट में एक कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय रूपाणी से किसी प्रकार की नाराजगी नहीं होने का दावा किया था। माना जा रहा है कि कल होनेवाले रोड शो में सीआर पाटील की मौजूदगी से एक राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया जाएगा।

युवती को बंधक बनाकर तीन शख्सों ने 18 दिनों तक किया सामूहिक दुष्कर्म

बोटाद (ईएमएस) जिले के अळव गांव के तीन युवकों द्वारा 20 वर्षीय एक युवती को 18 दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ कई दफा सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है। जानकारी के मुताबिक एक युवती को शराब पीने का आदत थी। युवक ने बोटाद जिले की राणपुर तहसील के अळव गांव के एक युवक से शराब मंगवाई थी। लेकिन युवक ने कहा कि शराब चाहिए तो अळव गांव आकर ले जाने का युवती से कहा। युवती शराब लेने अळव गांव पहुंच गई, जहां युवक उसे खेत में बने एक कमरे में ले गया। जहां युवक समेत तीन शख्सों ने युवती को जमकर शराब पिलाई और फिर बाद में उसे बंधक बना लिया। 9 दिसंबर से 26 दिसंबर तक युवती को नराधमों ने बंधक बनाकर रखा और उसके साथ बार बार सामूहिक दुष्कर्म किया। 26 दिसंबर को आरोपियों ने युवती को इस शर्त पर छोड़ दिया कि वह किसी से कुछ नहीं बताएगी और तुरंत गांव छोड़ देगी। हैवानों के शिकंजे से मुक्त होने के बाद युवती ने जामनगर में अपने रिश्तेदार से संपर्क किया और पूरा आपबीती सुना दी। युवती के रिश्तेदार ने राणपुर पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर इंद्रजीत खाचर, जयवीर खाचर और सत्यजीत खाचर नामक आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद शुरू कर दी। फिलहाल युवती का जामनगर के जीजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

कोरोना के बढ़ते केस को देखते हुए सरकार सतर्क

वाइब्रेंट समिट आयोजित किया जाएगा, कोरोना के नियंत्रण सात जनवरी तक बढ़ाया गया

सरकार ने कोरोना के बढ़ते केस मामले में की गई तैयारियों की जानकारी दी, राज्य में २८२७ वेंटिलेटर बेड, ५५२८४ ऑक्सीजन बेड, कुल १,१०,००० बेड है

गांधीनगर, ३० दिसंबर। कोरोना केस में विस्फोट होने पर सरकार पर प्रत्येक पहलू को शामिल करके आयोजन में लग गये है। दूसरी लहर जैसी स्थिति फिर से पैदा नहीं हो इसके लिए सरकार के अग्रिम आयोजन को बताने के लिए गुरुवार को हेल्थ मंत्री ऋषिकेश पटेल ने प्रेस मीडिया को संबोधित करके जानकारी दी है। मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया है कि राज्य में अभी भी ९० लाख लोग टीकाकरण बिना है जिसकी वजह से अब वैक्सीनेशन पर ज्यादा जोर देकर मेगा ड्राइव आयोजित किया जाएगा। गुजरात सरकार की किसी भी ऑफिस में जाने से पहले वैक्सीन के दोनों डोज लेने अनिवार्य है। इसके अलावा सरकार ने कोविड की गाइडलाइन को सात जनवरी तक बढ़ाने का निर्णय भी किया गया है। वाइब्रेंट समिट मामले में मंत्री ने बताया है कि यह समिट जरूरी होने से इसका आयोजन किया जाएगा। हेल्थ मंत्री ऋषिकेश पटेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, १-१२ से ३०-१२ तक में २४ मरीज की डेथ हुई है। राज्य सरकार ने पर्याप्त तैयारियां की है, राज्य में २८२७ वेंटिलेटर बेड है,५५२८४ ऑक्सीजन बेड है, कुल १,१०,००० बेड है तो लाख से ज्यादा मरीज को बिल्कुल चिंता बिना रख सके, राज्य में २८२७ वेंटिलेटर बेड है, जो यह आंकड़ों के प्रमाण में काफी ज्यादा मरीज बहुत जल्दी से ठीक होना, संक्रमण का दर ज्यादा लेकिन गंभीरता को तीव्रता बहुत कम है डेल्टा वेरिएंट वाला केस भी है, दोनों डोज का टीकाकरण है इसमें दूसरे डोज से ९० लाख लोग वैक्सीन से वंचित है, १८ वर्ष की सभी ने एक डोज दे दिया है, बाकी के दूसरे डोज के प्रयास चालू है, हेल्थ विभाग के कर्मचारियों द्वारा प्रयास हुए है कोविड के अंदर में ओमीक्रॉन -डेल्टा वेरिएंट में गंभीरता होना चाहिए यह कम देखने को मिली है। तारीख ३० दिसंबर को शाम को ५ बजे तापी हॉल स्वर्णिम परिसर में प्रेस स्टोरी रखी गई थी जिसमें ऋषिकेश मंत्री ने राज्य में वर्तमान स्थिति मामले में जानकारी दी है।

राजकोट में रिश्तों को कलंकित करता मामला सामने आया

चाचा किशोरी भतीजी को अश्लील विडियो बताकर छेड़छाड़ करता

किशोरी मना करे तो रुम में बंद करके बिजली करंट देता था, इस मामले की जानकारी चाची को देने पर चाचा ने लकड़ी से पीटा

राजकोट, ३० दिसंबर। रिश्तों को कलंकित करता मामला सामने आया है। चाचा ने ही अपनी १४ वर्ष की भतीजी पर खराब नजर रखकर शारीरिक छेड़छाड़ किया है। किशोरी मना करे तो रुम में बंद करके बिजली करंट देता था। इस मामले की जानकारी चाची को देने पर चाचा ने लकड़ी से पीटा। फिलहाल मोरबी पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की है। हाल किशोरी राजकोट की सिविल अस्पताल में उपचार ले रही है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, किशोरी चार महीने से अपने चाचा के घर पर शकत सनाला गांव में रहती थी। किशोरी की विवाहिता बहन ने पुलिस समक्ष बताया है कि, इसके पिता नहीं है। वह पांच बहन और एक भाई है। जिसमें से यह किशोरी तीसरे नंबर की है। किशोरी की बहन और दामाद कुछ दिन पहले चाचा के घर पर अमस्ता गये थे। तब किशोरी मामले में पूछने पर चाचा ने बताया है कि वह पानी भरने बाहर गई है। किशोरी की बहन को चाचा पर आशंका होने पर मकान में अंदर जांच की तो किशोरी मिल गई थी। किशोरी की हालत देखकर रुम से बाहर निकालकर बहन दामाद ने पूछा तो उसने अपनी आपबीती बताई। किशोरी ने बताया है कि, शकत सनाला आने के बाद चाचा ने इस पर खराब नजर रखी थी। एक दिन अश्लील विडियो बताकर चाचा ने शारीरिक छेड़छाड़ किया और जबरदस्ती करने का भी प्रयास किया था। किशोरी ने इस मामले में अपनी चाची को बताया था। जिसकी वजह से चाचा नाराज हो गया और किशोरी को लकड़ी से पीटा था। किशोरी को रुम में बंद करके बिजली करंट देता था। कुछ महीने पहले ऐसा ही एक सनसनी मामला गांधीनगर के सेक्टर २२ से सामने आया। आनंद वाटिका सोसाइटी में मुंबई से रहने आई नौ वर्ष की भतीजी के साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने वाला १९ वर्षीय चाचा के विरुद्ध सेक्टर २१ पुलिस स्टेशन में पोक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज होने पर सनसनी मच गई है।

गुजरात को कोरोना की आग में झोंकने का प्रयास न करे भाजपा सरकार : अर्जुन मोढवाडिया

अहमदाबाद (ईएमएस) आत्म प्रसिद्धि की लालसा में विभिन्न उत्सवों का आयोजन कर गुजरात को कोरोना की आग में झोंकने का प्रयास भाजपा सरकार को बंद करना चाहिए, यह कहना है गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अर्जुन मोढवाडिया का। उनका कहना है कि कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बावजूद गुजरात की भाजपा सरकार एक के बाद एक सरकारी उत्सवों का आयोजन कर रही है, ऐसा लगता है जैसे उसने राज्य में संक्रमण बढ़ाने की सुपारी ले रखी है, जबकि गुजरात समेत देशभर में कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है और मेट्रो शहरों में रोजाना केसों में 80 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। गुजरात में भी पिछले 24 घंटों में कोरोना के 548 नए मरीज दर्ज हुए हैं, जो रिकवरी के मुकाबले कई गुना अधिक हैं। इसी तरह केस बढ़ते रहे तो फिर एक बार देश कोरोना की तीसरी लहर में गंभीर स्थिति फंस जाएगा। अमेरिका में दैनिक चार लाख से अधिक केस दर्ज हो रहे हैं। केवल गुजरात जितनी आबादी वाले इंग्लैंड में प्रति दिन एक लाख से अधिक कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में कोरोना का सामना करने की नसीहत देश के प्रधानमंत्री से लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सभी दे रहे हैं, लेकिन कोरोना संक्रमण रोकथाम की कोई कार्यवाही गुजरात में होती नहीं नजर नहीं आ रही। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि पिछले 10 दिनों में गुजरात में कोरोना के केसों में 480 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसकी रोकथाम के लिए प्रशासन लगना चाहिए। ऐसा करने के बजाए भाजपा सरकार कोरोना के मामले बढ़ाने का काम कर रही है और केवल रात्रि कर्फ्यू लगाकर अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है। रात में कर्फ्यू जरूर होता है, लेकिन दिन बड़े पैमाने पर लोगों की भीड़ लग रही है। फिलहाल नदी उत्सव चल रहे हैं और सुशासन सप्ताह के नाम पर तमाशे किए जा रहे हैं। गांवों में स्थापना दिवस समारोह का ऐलान किया गया है। अहमदाबाद में फ्लावर शो और पतंग उत्सव को मंजूरी दी गई है और वाइब्रेंट समिट में बड़े पैमाने पर विदेशी मेहमानों को बुलाने का तमाशा करने की तैयारियां की जा रही हैं। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि उत्सव ऑनलाइन या अगले साल भी किए जा सकते हैं, फिलहाल राज्य के लोगों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन राज्य सरकार ने जिस प्रकार नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम कर गुजरात में कोरोना को न्यौता दिया था, उसी प्रकार वाइब्रेंट समिट का आयोजन कर तीसरी लहर को विकराल बनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा सरकार के मंत्री, नेता और खासकर उनके प्रदेश प्रमुख पर जैसा कानून लागू नहीं होता इस प्रकार वह कोरोना के सुपर स्प्रेडर बनकर घूम रहे हैं। कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे उत्सव और नौटंकी बंद करें। अपनी आत्मप्रसिद्धि की भूख में गुजरात की जनता को कोरोना की आग में झोंकने का प्रयास न करें। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार और उसके नेताओं को सुपर स्प्रेडर की भूमिका से बाहर निकलकर नई पीढ़ी और गुजरात को बचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए, वर्ना जनता कभी माफ नहीं करेगी। वैक्सीनेशन कार्यक्रम को लेकर भी मोढवाडिया ने सरकार को आडे हाथ लिया। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन में केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार निष्फल रही हैं। वैक्सीनेशन प्रारंभ होने के 9 महीने बीत जाने के बावजूद अब सभी लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज देने में सरकार नाकाम रही है। 18 वर्ष से अधिक आयु के 94 करोड़ लोगों में से 24 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना का दूसरा डोज अब नहीं लगा। 10 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें कोरोना का पहला डोज भी नहीं दिया गया। इसलिए सरकार को वैक्सीनेशन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। टीकाकरण के नाम पर बड़ी बड़ी घोषणाएं की गई और तमाशे किए गए, इसके बावजूद वैक्सीनेशन पूर्ण करने में सरकार नाकाम साबित हुई है, जबकि यूरोप और अमेरिका में बुस्टर डोज लगाया जा रहा है और हम अब पहले और दूसरे डोज में लटके हुए हैं तथा उत्सवों का आयोजन कर कोरोना के केसों में इजाफा कर रहे हैं।

छुट्टियों के इस सीज़न अपने पसंदीदा व्यंजनों को दें भारतीय ट्विस्ट, हायर के नए कन्वेक्शन माइक्रोवेव अवन के साथ

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2021:होम अप्लायन्सेज़ एवं कन्ज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में दुनिया के अग्रणी निर्माता और पिछले 12 सालों से बड़े अप्लायन्सेज़ में दुनिया के नंबर 1 ब्राण्ड हायर ने आज अपने नए कन्वेक्शन माइक्रोवेव अवन के लॉन्च की घोषणा की है, जिन्हें खासतौर पर आज के दौर की भारतीय किचन को ध्यान में रखते हुए कॉम्पैक्ट और शानदार डिज़ाइन में पेश किया गया है। आधुनिक तकनीक और आकर्षक डिज़ाइन का बेहतरीन संयोजन यह माइक्रोवेव अवन रैड हैण्डल, ऑल-ब्लैक फिनिश बॉडी तथा डिजिटल डिस्प्ले के साथ आता है, जो आपकी आधुनिक किचन के इंटीरियर के साथ खूब जंचेगा।

इस लॉन्च के अवसर पर श्री एरिक ब्रगेन्ज़ा, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़, भारत ने कहा, "हायर में हम हमेशा से अपने उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक समाधान लाते रहे हैं। महामारी के इस दौर में लोग घर में पके, सेहतमंद खाने को ज़्यादा पसंद करने लगे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद और इन्हीं ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए हमारा नया 23 लीटर कन्वेक्शन माइक्रोवेव कई ऑटो-कुक मैन्यूज़, सेहतमंद ऑयल-फ्री कुकिंग जैसे फीचर्स के साथ पेष किया गया है। तो अब आप घर में ही नए-नए व्यंजन पका सकते हैं।"

मध्य रेल ने आईसीएफ/पारंपरिक डिब्बों को एलएचबी कोचों में बदलने का निर्णय लिया

अहमदाबाद (ईएमएस) मध्य रेल ने निम्नलिखित ट्रेनों के सभी आईसीएफ/पारंपरिक डिब्बों को एलएचबी कोचों में बदलने का निर्णय लिया है, जो नीचे दिए गए विवरण के अनुसार संशोधित संरचना के साथ है –

11427/11428 पुणे-जसीडीह जंक्शन एक्सप्रेस 7 जनवरी 2022 से पुणे से और 9 जनवरी 2022 से जसीडीह जंक्शन से प्रभावी।

11407/11408 पुणे-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस 11 जनवरी 2022 से पुणे और 13 जनवरी 2022 से लखनऊ जंक्शन से प्रभावी।

22151/22152 पुणे-काजीपेट जंक्शन एक्सप्रेस 14 जनवरी 2022 से पुणे और 16 जनवरी 2022 से काजीपेट जंक्शन से प्रभावी।

12103/12104 पुणे-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस 18 जनवरी 2022 से पुणे और दिनांक 19 जनवरी 2022 से लखनऊ जंक्शन प्रभावी।

उपरोक्त सभी ट्रेनें एक एसी-2 टियर, चार एसी-3 टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 द्वितीय श्रेणी सीटिंग और एक जेनरेटर वैन के संशोधित कंपोजीशन के साथ चलेंगी।

12149/12150 पुणे-दानापुर एक्सप्रेस 25 मार्च 2022 से पुणे और दिनांक 27 मार्च 2022 से दानापुर से प्रभावी

संशोधित संरचनाः दो एसी-2 टियर, छह एसी-3 टीयर, 6 स्लीपर क्लास, 4 सेकेंड क्लास सीटिंग, एक पेंट्री कार और एक जेनरेटर वैन।

12993/12994 गांधीदाम-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस को 01 अप्रैल 2022 से एलएचबी रेक में परिवर्तित किया जाएगा। 31 दिसंबर 2021 से गांधीदाम और दिनांक 3 जनवरी 2022 से पुरी से प्रभावी।

संशोधित संरचनाः एक एसी-2 टियर, पांच एसी-3 टीयर, 9 स्लीपर क्लास, 4 सेकेंड क्लास सीटिंग, एक पेंट्री कार और दो जेनरेटर वैन। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य पर सभी मानदंडों, ण्व्ख्क्19 से संबंधित एसओपी का पालन करते हुए इन ट्रेनों में चढ़ने की अनुमति है।

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों में ऑनबोर्ड खानपान सेवाओं की पुनः बहाली

यात्रियों की सुविधा और लाभ के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल और दिल्ली के बीच राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों में रेडी-टू-ईट सहित पके हुए भोजन के साथ खानपान सेवाएँ फिर से शुरू कर दी गई हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भोजन की प्री-बुकिंग के विकल्प वाली ऑनबोर्ड खानपान सेवाएँ पश्चिम रेलवे की दो और प्रीमियम ट्रेनों में फिर से शुरू की जा रही हैं। वे ट्रेनें हैं- ट्रेन नम्बर 12951/52 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल राजधानी एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 12953/54 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन-मुंबई सेंट्रल अगस्त क्रांति एक्सप्रेस। ट्रेन नंबर 12951/12953 में 6 जनवरी, 2022 से और ट्रेन संख्या 12952/54 में 7 जनवरी, 2022 से खानपान सेवाएँ फिर से शुरू की जायेंगी। इन ट्रेनों के लिए खानपान सेवाओं को चुनने का विकल्प भी यात्रियों के लिए उपलब्ध होगा। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिन यात्रियों ने अपने टिकट की बुकिंग के समय अपना भोजन बुक नहीं किया है, वे अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट प्र्ज़ः//ै.गम्मूदलीस.म्दस/ददक्ष्दद् पर जाकर बुकिंग कर सकते हैं। यह ट्रेनों की चार्टिंग से पहले (ट्रेन के प्रस्थान के समय से चार घंटे पहले) किया जा सकता है। इसी तरह यदि यात्री अपने भोजन विकल्प को रद्द करना चाहते हैं, तो वे ट्रेन की चार्टिंग के पहले (ट्रेन के प्रस्थान के समय से चार घंटे पहले) से ऐसा कर सकते हैं। पीआरएस काउंटर टिकट वाले यात्री भी उपरोक्त लिंक का उपयोग करके अपना भोजन बुक कर सकते हैं। यात्रियों को पोर्टल में पीएनआर इनपुट करने और वेज/नॉन-वेज के विकल्प के साथ ऑनलाइन भुगतान करने के लिए कहा जायेगा। ठाकुर ने यह भी बताया कि इस महीने की शुरुआत में ट्रेन नंबर 12009/10 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 22209/10 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल दुरंतो एक्सप्रेस में खानपान सेवाएँ फिर से शुरू की गई थीं, जबकि ट्रेन नंबर 12955/56 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 19045/46 सूरत-छपरा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 12931/32 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल डबल डेकर एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 22947/48 सूरत-भागलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में पेंट्री सेवाएं शुरू की गई थीं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95